हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 229 बेमेतरा, सोमवार 13 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले का निधन, बॉलीवुड में शोक की लहर

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर गायिका आशा भोसले का निधन हो गया है। कार्डियक अरेस्ट आने पर बॉलीवुड सिंगर आशा भोसले को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। आशा भोसले के निधन पर पूरा बॉलीवुड और उनके चाहने वाले गम में डूब गए हैं। बॉलीवुड गायिका का सोमवार को अंतिम संस्कार होगा।

जनाई भोसले अपनी दादी आशा भोसले के काफी करीब हैं। जब आशा भोसले को अस्पताल में भर्ती किया गया था, तब जनाई ने दादी और दिग्गज सिंगर संग तस्वीर शेयर करके उनका हेल्थ अपडेट दिया था। तस्वीर में दोनों का खूबसूरत बॉन्ड देखा जा सकता था। आशा भोसले की सेहत के लोकर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी चिंता जताई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा था- यह सुनकर बहुत चिंता हुई कि आशा भोसले को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनके अच्छे स्वास्थ्य और जल्दी ठीक होने की प्रार्थना करता हूँ। आशा भोसले ने अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गाने गाए हैं। उनके दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा और चुरा लिया है तुमने जैसे गाने आज भी सदाबहार हैं। आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और महान गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन हैं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी। 16 साल की उम्र में आशा भोसले ने बड़ी बहन लता के 31 साल के सेक्रेटरी गणपतराव भोसले से भागकर शादी की थी। लता और उनका परिवार इस शादी के सख्त खिलाफ था। इसके कारण उन्होंने आशा से लंबे समय तक बातचीत बंद कर दी थी।

आशा भोसले ने देश में संगीत के एक युग को परिभाषित किया : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वर कोकिला आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने देश में संगीत के एक युग को परिभाषित किया है और उनका गायन अमर रहेगा। मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आशा भोसले के निधन ने संगीत की दुनिया में एक खालीपन छोड़ दिया है। एक महान गायिका के तौर पर उन्होंने भारत में संगीत के एक पूरे दौर को परिभाषित किया है। उनके साथ व्यक्ति गत रूप से बातचीत करने की मेरी बहुत प्यारी यादें हैं। उन्होंने कहा, 'एक कलाकार और एक इंसान के तौर पर, उन्होंने अपनी ज़िंदगी अपनी शर्तों पर जी। उन्होंने अपनी सुरीली और सदाबहार आवाज़ से दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उनका गायन हमेशा अमर रहेगा। उनका जाना संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। मैं उनके परिवार और उनके अनगिनत चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।'
उल्लेखनीय है कि पद्मश्री और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती भोसले का 92 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। उन्हें सीने में सं मण की शिकायत के बाद ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सुप्रसिद्ध गायिका पद्मविभूषण आशा भोसले के निधन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने व्यक्त किया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुप्रसिद्ध गायिका पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आशा भोसले के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अपनी मधुर, विलक्षण और हृदयस्पर्शी आवाज़ से उन्होंने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया और करोड़ों हृदयों में अमिट स्थान बनाया। उनका यह अद्वितीय योगदान युगों-युगों तक अमर रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने माँ वीणापाणि सरस्वती से प्रार्थना की है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों और उनके असंख्य प्रशंसकों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राहुल गांधी ने 'मैं भी अंबेडकर' मैराथन को दिखाई हरी झंडी

नयी दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा आयोजित 'मैं भी अंबेडकर' मैराथन को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हरी झंडी दिखायी। मैराथन नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित सफदर हाशमी मार्ग से शुरू होकर डॉ अंबेडकर नेशनल मेमोरियल (26, अलीपुर रोड) तक जायेगी। इस आयोजन का संचालन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) विभाग के सहयोग से किया। इस मौके पर गांधी ने कहा, 'मैं भी अंबेडकर' मैराथन बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के विचारों और भारतीय संविधान के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार हो रहे हैं, ऐसे समय में हमें हर अन्याय और भेदभाव के खिलाफ बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों पर चलकर एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। कांग्रेस नेता ने कार्यक्रम के अंत में जय भीम, जय संविधान, जय हिंद के नारे के साथ देशवासियों से संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए आगे आने का आह्वान किया।

ईरान-अमेरिका के बीच 2-3 महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेदों के कारण समझौता नहीं : ईरान

मास्को। ईरान और अमेरिका कई मुददों पर सहमत हुए लेकिन दो-तीन महत्वपूर्ण मुददों पर असहमति होने के कारण इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बाद समझौता नहीं हो सका। यह जानकारी ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने दी। मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, बगाई ने कहा, हमारे बीच कई मुददों पर सहमति बनी लेकिन दो-तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमारे विचार अलग-अलग थे और अंततः वार्ता किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आठ अप्रैल की रात ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते की घोषणा की थी जिसके बाद, ईरान और अमेरिका ने इस्लामाबाद में वार्ता की। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने कहा कि ईरान और अमेरिका लंबी बातचीत के दौरान किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहे हैं और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी समझौते के वापस लौट रहा है।

ईरान के प्रस्ताव 'व्यावहारिक', अब अमेरिका को यथार्थवादी रुख

इस्लामाबाद। ईरान ने अमेरिका के साथ वार्ता में 'व्यावहारिक' प्रस्ताव रखे हैं और अब आगे की प्रगति अमेरिका के रुख पर निर्भर है। प्रेस टीवी ने मामले से परिचित सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी प्रशासन ने वार्ता का आकलन उसी तरह गलत किया, जैसे उसने अपनी सैन्य रणनीति में किया था। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता का स्थान अभी तय नहीं हुआ है। दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हुई, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद आयोजित की गयी थी। इस बीच, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जेडी वेंस ने कहा कि लंबी बातचीत के बावजूद कोई समझौता नहीं हो सका और अमेरिकी दल खाली हाथ लौट रहा है।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा कि वार्ता अविश्वास के माहौल में हुई और किसी को भी तत्काल समझौते की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, कुछ मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन दो-तीन अहम विषयों पर मतभेद के कारण समझौता नहीं हो सका।

अमेरिकी सेना तत्काल प्रभाव से होर्मुज की पूर्ण घेराबंदी करेगी : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर 'जबरन वसूली' का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि अमेरिकी नौसेना तत्काल प्रभाव से होर्मुज जलडमरूमध्य की पूर्ण घेराबंदी शुरू करेगी और यह घेराबंदी तब तक नहीं खुलेगी जब तक ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाएं नहीं त्याग देता। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर कहा कि ईरान ने इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग को खोलने का वादा किया था, लेकिन जानबूझकर उन्होंने ऐसा नहीं किया। इससे दुनिया भर के देशों और लोगों को चिंता और परेशानी का सामना करना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन उसके पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होगा। श्री ट्रम्प के अनुसार, ईरान पानी में माइन्स (सुरंगों) होने का डर दिखाकर दुनिया को डरा रहा है, लेकिन अमेरिका ऐसी किसी भी जबरन वसूली के आगे कभी नहीं झुकेगा।

तृणमूल है उत्तर बंगाल विरोधी भाजपा है विकास का चालक : प्रधानमंत्री मोदी

सिलीगुड़ी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए उसे उत्तर बंगाल विरोधी, आदिवासी विरोधी, चाय-बागान विरोधी और महिला एवं युवा विरोधी पार्टी करार दिया है। मोदी ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के कावाखली मैदान में भाजपा के विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए भाजपा को उत्तर बंगाल के विकास का चालक बताया। उन्होंने राज्य सरकार पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि जब उत्तर बंगाल के अनेक जिलों में भारी बारिश से तबाही फैली, हर तरफ हाहाकार था, तब तृणमूल की निर्मम सरकार कोलकाता में जश्न मना रही थी। उन्होंने कहा, हमारा सिलीगुड़ी भारत की सुरक्षा का भी प्रमुख द्वार है। सिलीगुड़ी गलियारा सिर्फ शब्द नहीं है, मां भारती की भुजा है, लेकिन, आप याद रखना तृणमूल ने तुष्टिकरण के लिए, वोटबैंक की खातिर एक खास वर्ग को खुश करने के लिए क्या किया था। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर कहा, उत्तर बंगाल को लेकर, देश की सुरक्षा को लेकर तृणमूल की दुर्नीति का एक और सबूत मैं यहां देना चाहता हूं। देश में एक टुकड़े-टुकड़े गैंग है। इस गैंग ने सिलीगुड़ी गलियारे को काटने की धमकी दी थी। उत्तर-पूर्व को देश से अलग करने की बात कही थी। तुष्टिकरण से भरी ये तृणमूल ऐसे लोगों को सड़क से लेकर संसद तक समर्थन देती है। यह तृणमूल का असली चेहरा है। उन्होंने कहा, दार्जिलिंग सहित उत्तर बंगाल का एक बड़ा हिस्सा चाय की पैदावार का क्षेत्र है। आपकी चाय का स्वाद मुझसे भला कौन जान सकता है, लेकिन आप देख रहे हैं कि तृणमूल की निर्मम सरकार चाय बागानों को भी बर्बाद कर रही है। मोदी ने कहा कि आपके पड़ोस में असम है, वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागानों में अनेक सुविधाएं विकसित की है। चाय बगान के श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर बहुत बड़ा काम हुआ है, वहां चाय बागान के श्रमिकों को भूमि के पट्टे दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बंगाल भाजपा ने यहां भी चाय बगान वाले के परिवारों के लिए अनेक संकल्प लिए हैं। श्रमिक परिवारों को भूमि के पट्टे देने हों, पक्के घर, नल से जल, बिजली, पानी और रोजगार की सुविधाएं देनी हो, यानी श्रमिकों की कमाई, पढ़ाई, दवाई और हर चीज पर यहां बनने वाली भाजपा सरकार काम करेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां की बेटियां बहुत ही प्रतिभावान हैं। मंटू घोष की प्रतिभा का देश को बहुत फायदा मिला है और आजकल तो बेटी रिचा घोष की बहुत चर्चा होती है। इतने लंबे-लंबे सिक्सर बेटी रिचा घोष लगाती है, वो गजब है। उन्होंने कहा, जब मुझे बेटी रिचा से मिलने का मौका मिला, मैं उनके हौसले और आत्मविश्वास से बहुत प्रभावित हुआ था। उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल की हर बेटी में ऐसा ही आत्मविश्वास देखना चाहती है।

महिला विधेयक पर मोदी का सभी दलों को पत्र, कहा दल को परे रखकर एकस्वर में पारित करें विधेयक

नयी दिल्ली। महिला आरक्षण विधेयक के समय को लेकर नाराज चल रहे विपक्ष के साथ आम सहमति बनाने की सरकार की कवायदों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखकर विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की अपील की है। मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित इस विधेयक को पारित कराने के लिए गुरुवार से एक बार फिर शुरू होने वाली संसद की बैठक से पहले शनिवार को लिखे पत्र में इस विधेयक पर होने वाली चर्चा को ऐतिहासिक बताते हुए इसे लोकतंत्र को और सशक्त बनाने का अवसर करार दिया है और कहा है कि वह इस बारे में सबकी सामूहिक प्रतिबद्धता की भावना से यह पत्र लिख रहे हैं । उन्होंने कहा ,' 16 अप्रैल से संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित एक ऐतिहासिक चर्चा होने जा रही है। यह विशेष सत्र हमारे लोकतंत्र को और सशक्त बनाने का एक अवसर है। यह एक ऐसा क्षण भी है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ने और सभी को साथ लेकर चलने की अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहरा सकते हैं। मैं इसी भावना और उद्देश्य के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूँ।' प्रधानमंत्री ने सांसदों से इस विधेयक को एक स्वर से पारित करने के लिए दलगत राजनीति से उपर उठकर एकजुटता दिखाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा ,' मैं यह पत्र इसलिए लिख रहा हूँ ताकि हम सभी एक स्वर में इस संशोधन को पारित करने के लिए एकजुट हों।

ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर एक महिला समेत 2 की मौत

रायगढ़। रायगढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां तेज रफ्तार ट्रेलर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घटना के इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा पूंजीपथरा-घरघोड़ा मार्ग पर अमलीडीही गांव के पास हुआ है। मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन लोग कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर जा गिरे, जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने के बाद ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही घरघोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, मृतकों और घायल की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वृहत आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम पर सहमति से घरेलू शेयर बाजारों बीते सप्ताह रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों को नजर वृहत आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। आने वाले सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी शांति वार्ता की प्रगति बाजार को सबसे अधिक प्रभावित करेगी। साथ ही घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई, थोक महंगाई और आयात-निर्यात के आंकड़े भी जारी होने हैं जिनका बाजार पर बड़ा प्रभाव देखा जायेगा। निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी रहेगी।

कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट न दीजिए

वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं : सीएम योगी

बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले बांग्लादेश में एक दलित हिंदू की निर्मम हत्या पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी मौन रहीं। उन्हें भय था कि बोलने पर उनका मुस्लिम वोट न खिसक जाए। उन्होंने कहा कि वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं। सोनामुखी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट न दीजिए। ये लोग नवरात्रि आयोजन में व्यवधान पैदा करते हैं, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। हम सब मिलकर बंगाल का पुराना वैभव लौटा सकते हैं। मैं इसी आह्वान के साथ आपके बीच आया हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल के शासन में यहां बहुत तांडव हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता सुमन को गोली मार दी गई। स्वरूप घोष, पलाश घोष, उत्पल दास जैसे कार्यकर्ताओं के घर उजाड़ दिए गए। सुशोभन का हाथ काट दिया। तृणमूल की गुंडागर्दी के ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। सीएम ने बंगालवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली में मोदी हैं, पश्चिम बंगाल में भी आप भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी। तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा सरकार के पास है। उन्होंने स्थानीय भाषा में संवाद स्थापित करते हुए कहा कि अब बंगाल में 'खेला' बंद और भाजपा की जीत से विकास शुरू होगा। उन्होंने मंच से भाजपा प्रत्याशियों सोनामुखी से दिबाकर घरामी, इंडास से निर्मल धारा व बरजोड़ा से बिलेश्वर सिंघा को जिताने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल की धरती पर राष्ट्रगान के रचयिता गुरुदेव रवींद्र नाथ ठाकुर व राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को भी याद किया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मैं विश्वास से कह रहा हूं कि बंगाल परिवर्तन की नई राह पर चल पड़ा है। उन्होंने कहा कि बंगाल ने स्वामी विवेकानंद जैसा संन्यासी दिया, जिन्होंने 'गर्व से कहो, मैं हिंदू हूं' का भाव जगाया। बंगाल रामकृष्ण परमहंस व भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की धरती है, लेकिन भारत की संस्कृति की आत्मा और राष्ट्रवाद की धरती बंगाल को तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण, लूट-खसोट, अराजकता की धरती बनाकर रख दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अराजकता, अव्यवस्था, गुंडागर्दी आज पश्चिम बंगाल में है, 9 वर्ष पहले वही स्थिति उत्तर प्रदेश में भी थी। वहां त्योहारों के पहले दंगे होते थे।

महीनों कर्फ्यू रहता था। गुंडे-माफिया समानांतर सत्ता संचालन करते थे। 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश में जनता-जनार्दन ने डबल इंजन सरकार बनाई तो आज यूपी में तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण है।

उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार बंगाल को फिर से उस त्रासदी की ओर ले जाने का कार्य कर रही है, जिसका उल्लेख आनंद मंठ के माध्यम से बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने किया था। उस समय अकाल था, लेकिन आज सरकार द्वारा पाले गए गुंडे शोषण कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बंगाल के मतदाताओं से कहा कि जिस भी राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार आई है, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा हुई है। हर किसी को सुरक्षा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि बंगाल में सारी संभावनाएं हैं, बस मतदाताओं के समर्थन व आशीर्वाद की आवश्यकता है।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर ग्राम बसंतपुर में जनसंवाद और अभिनंदन कार्यक्रम

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पार्टी के देश एवं प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा नेतृत्व के आह्वान तथा जिला अध्यक्ष आकाश सिंह के निर्देशानुसार ÷गांव चलो, बूथ चलो, बस्ती चलो, हॉस्टल चलो÷ अभियान के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा चांपा मंडल द्वारा ग्राम बसंतपुर में भव्य जनसंवाद, ग्राम भ्रमण एवं अभिनंदन पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने घर-घर संपर्क कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। ग्रामीणों की समस्याएं और सुझाव भी सुने गए, जिससे संगठन और जनता के बीच संवाद और विश्वास को मजबूती मिली। इस अवसर पर ग्रामीणों को अभिनंदन पत्र के साथ बिस्किट व पानी का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्तिकेश्वर स्वर्णकार (प्रदेश संयोजक, भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ) उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण की विचारधारा है। गांवों तक सीधे पहुंचकर जनसंवाद करना पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है।विशिष्ट अतिथियों में चांपा मंडल उपाध्यक्ष मंगल चंद देवांगन, ग्राम के पूर्व सरपंच यशवंत, वरिष्ठ कार्यकर्ता पवन देवांगन शामिल रहे। कार्यक्रम की अगुवाई युवा मोर्चा चांपा मंडल अध्यक्ष लव कुमार देवांगन ने की। उनके साथ युवा मोर्चा कार्यकर्ता शैलेन्द्र देवांगन, आकाश भोजवानी, रिंकू वैष्णव, अरुण देवांगन, नंदकिशोर यादव, निरंजन यादव, हितेश यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा आगामी अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। आयोजन को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिला और अभियान को सफल बनाने में युवाओं की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ (भारत) के पदाधिकारी बिलासपुर टीम पहुंचे, विधि पुस्तकालय एवं छात्रावास स्थल का किया निरीक्षण

बिलासपुर / बेमेतरा/मूक पत्रिका

डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ (भारत) के पदाधिकारी गुरुवार को बिलासपुर पहुंचे, जहां उन्होंने प्रस्तावित विधि पुस्तकालय (ला लाइब्रेरी) एवं छात्रावास स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी ली। यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस अवसर पर जिला बेमेतरा से जिला संयोजक अधिवक्ता मणिशंकर दिवाकर, व्याख्याता परसराम बंजारे (बेमेतरा), रवि प्रकाश जूनियर अधिवक्ता (उमरिया, बिलासपुर) तथा प्रदेश संयोजक अधिवक्ता झनेंद्र कुमार महिलांगे उपस्थित रहे। न्यायालय परिसर में मुलाकात के बाद सभी पदाधिकारी चयनित स्थल पर पहुंचे और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। बताया

गया कि यह पहल विशेष रूप से एससी / एसटी वर्ग के विधि छात्र-छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। यहां विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई के लिए पुस्तकालय सुविधा के साथ-साथ रहने के लिए छात्रावास की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा।इस योजना को छत्तीसगढ़ राज्य की बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है। विभिन्न जिलों के प्रतिनिधिमंडल, कार्यकर्ताओं और सहयोगी साथियों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उक्त जानकारी रामेश्वर अनंत, जूनियर अधिवक्ता बेमेतरा द्वारा प्रदान की गई।

आरंग के विधायक कार्यालय में लगेगा जनदर्शन

आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु मंत्री गुरु खुशवंत साहेब करेंगे सीधी सुनवाई

आरंग /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा दिनांक 13 अप्रैल 2026, दिन सोमवार को आरंग स्थित नेता जी चौक, विधायक कार्यालय में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जनदर्शन कार्यक्रम प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें क्षेत्र के आम नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सीधे मंत्री के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, ताकि प्राप्त आवेदनों पर मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही करते हुए समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। जनदर्शन कार्यक्रम शासन की जनकल्याणकारी सोच का प्रतिबिंब है, जिसके माध्यम से शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित होता है।यह पहल प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक संवेदनशील, जवाबदेह एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री द्वारा प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक आम नागरिकों की समस्याओं की व्यक्तिगत रूप से सुनवाई की जाएगी। इसके पूर्व प्रातः 9:00 बजे से पंजीयन प्रक्रिया (नाम, ग्राम एवं समस्या) प्रारंभ कर दी जाएगी, जिससे प्रत्येक आवेदक की समस्या सुव्यवस्थित रूप से दर्ज हो सके। मंत्री जी ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं से अवगत कराएं, ताकि उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा सके।

अवैध पत्थर से भरी ट्रेक्टर पलटी .. मजदूर कि मौके पर मौत .. विभाग पर उठ रहे सवाल

धरमजयगढ़ /मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ क्षेत्र के ग्राम जमरगी डी की शांत वादियों में उस दिन एक ऐसा हादसा घटित हुआ, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। जंगल की गोद से पत्थर ढोकर लौट रहा एक ट्रैक्टर, अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया,और इसी के साथ एक मेहनतकश मजदूर की जीवन-डोर भी वहीं थम गई।वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर में जंगल से अवैध रूप से लाए गए भारी-भरकम पत्थर लदे हुए थे। रामपुर से जमरगी मार्ग के खतरनाक घाट में उतरते समय, एक तीखे मोड़ पर चालक संतुलन खो बैठा। और देखते ही देखते ट्रैक्टर पलट गया और उस पर सवार मजदूर उसके नीचे दब गया। और वहीं चीख-पुकार के बीच जब तक लोग उसे निकाल पाते तब तक

उसकी सांसें थम चुकी थीं।इस दर्दनाक घटना के बाद परिजनों ने तत्काल धरमजयगढ़ थाना में सूचना दी, वहीं पूरे गांव में शोक और आक्रोश की लहर फैल गई। मृतक का नाम रामप्रसाद विश्वकर्मा उम्र लगभग 55 ग्राम पंचायत जबगा गांव का निवासी बताया जा रहा है। इस हादसे के साथ ही कई गंभीर सवाल भी उठ खड़े हुए हैं,आखिर जंगल से इस तरह अवैध पत्थर उत्खनन और परिवहन किसकी अनुमति से चल रहा था? क्या संबंधित बीट गार्ड और वनपरिक्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी इस खेल से अनभिज्ञ थे, या फिर उनकी मौन सहमति से यह सब होता रहा?वहीं ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से जंगलों का सीना चीरकर पत्थरों का अवैध कारोबार जारी है। शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे रहे, जिसके चलते यह दुर्घटना किसी न किसी दिन होना तय थी।बहरहाल यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि वनविभाग की लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम बनकर सामने आया है। यदि समय रहते सख्त निगरानी और कार्रवाई की जाती, तो शायद आज एक गरीब मजदूर की जान बचाई जा सकती थी।वहीं ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और इस पूरे प्रकरण में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस प्रशासन और वन विभाग द्वारा मामले की जांच जारी है।

ट्रेलर में बाईक सवार 3 को मारी टक्क र दो कि मौत एक गंभीर .. पुलिस मौके

घरघोड़ा /मूक पत्रिका

घरघोड़ा थाना क्षेत्र से बड़ी घटना सामने निकल कर आ रही है जहां अमलीडीह के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार तीन लोगों जबरदस्त तरीके से टक्कर मार दिया है टक्कर इतनी जबरदस्त होना बताया जा रहा है बाइक सवार दो लोगों मौके पर मौत होने की जानकारी सामने आ रही है वही एक कि हालात गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी तेज रफ्तार कि ट्रेलर अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल को मारते हुए सड़क से निचे उतर गई है। घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने घटना कि सुचना घरघोड़ा पुलिस को दे दी है। सुचना पर घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंच गई है।बताये अनुसार बाईक सवार बिजना रायगढ़ क्षेत्र के बताये जा रहे है जिसमे महिला पुरुष कि मौत हो गई है लड़की कि हालात गंभीर बताई जा रही है पुलिस ने गंभीर हालात में लड़की को घरघोड़ा हॉस्पिटल ले आई है।

इतेंदूपत्ता संग्राहकों को बड़ी राहतः अब सीधे खाते में भुगतान, 15 दिन में पैसा देने की तैयारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए राहत की खबर है। शासन की नई तेंदूपत्ता नीति के तहत अब संग्रहण पारिश्रमिक सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर किया जा रहा है। इससे भुगतान में पारदर्शिता आई है और समय पर पैसा मिलने लगा है। जिले में वर्ष 2024 में 27,448 संग्राहक परिवारों को 26.75 करोड़ रुपए और वर्ष 2025 में 10,925 संग्राहकों को 6.70 करोड़ रुपए सीधे खातों में दिए गए। अब तक भुगतान को लेकर किसी तरह की शिकायत सामने नहीं आई है। इस साल भी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। 53,608 संग्राहक परिवारों में से 51,818 के बैंक खाते खुल चुके हैं, जबकि बाकी के खाते खोलने की प्रक्रिया जारी है। संग्राहकों के मोबाइल नंबरों को ऑनलाइन सिस्टम से जोड़ा जा रहा है, ताकि भुगतान की जानकारी उन्हें तुरंत मिल सके। इस बार लक्ष्य रखा गया है कि संग्रहण के 15 दिन के भीतर ही पारिश्रमिक राशि खातों में पहुंच जाए। प्रशासन और समितियों द्वारा संग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता के पत्ते संग्रहित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अच्छी गुणवत्ता मिलने पर अधिक दर मिलने से उनकी आमदनी बढ़ेगी। संग्राहकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं भी संचालित हैं। राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत बीमा सुविधा दी जा रही है, वहीं बच्चों को छात्रवृत्ति का लाभ भी मिल रहा है। तेंदूपत्ता परिवहन के लिए ग्राम स्तर पर ट्रैक्टर और पिकअप जैसे वाहनों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। तेंदूपत्ता सीजन 2026 में अच्छी गुणवत्ता के पत्तों की खरीदी जारी रहने से अधिक से अधिक संग्राहकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। प्रशासन ने संग्राहकों से अपने बैंक खातों का ई केवायसी कराने की अपील की है, ताकि भुगतान में किसी भी प्रकार की बाधा न आए और उन्हें समय पर योजना का लाभ मिल सके।

श्रीकृष्ण गोशाला चांपा में गो अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की मांग

चांपा/मूक पत्रिका

गो माता की संवर्धन, संरक्षण, गो अनुसंधान प्रशिक्षण एवं चिकित्सा हेतु श्रीकृष्ण गोशाला चांपा परिसर में गौ अनुसंधान केंद्र स्थापित करने की मांग को लेकर भाजपा नेता एवं पूर्व राज्य सभा सांसद प्रतिनिधि अखिलेश कोमल पांडेय ने दिनांक 12/04/2026 को बिलासपुर प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल से सौजन्य भेंट कर ज्ञापन दिया। ज्ञात हो कि, पूर्व राज्य सभा सांसद एवं अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार साय की सांसद निधि से दस लाख रुपए की लागत से श्री कृष्ण गौशाला चांपा में नवीन गौशाला भवन का निर्माण हुआ था साथ ही कार्यक्रम की भूमिपूजन के अवसर पर तत्कालीन एवं वर्तमान गौ सेवा आयोग अध्यक्ष के रूप में विशेषर पटेल के समक्ष श्री

कृष्ण गौशाला चांपा में गो अनुसंधान केंद्र की स्वीकृति हेतु उनसे विस्तृत चर्चा की गई थी।

इसी तारतम्य में गो अनुसंधान केंद्र के बहुप्रतीक्षित मांग को पुनः प्रस्तुत किया गया। गो अनुसंधान केंद्र में गाय पालन संरक्षण,नस्ल सुधार,संवर्धन के गौ माता के गोबर और गोमूत्र पर आधारित उत्पादों से प्राप्त होने वाली पंचगव्य का परिशोधन कर विस्तृत अनुसंधान के माध्यम से पंचगव्य से निर्मित औषधियों के निर्माण के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी पंचगव्य की महत्ता को स्थापित करने एवं प्रशिक्षण के माध्यम से गाय पालन में जन - जन की सहभागिता बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर आदर्श पांडेय भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री, विनय बघेल उपस्थित थे।

इंसानियत की मिसालः 'जन सहयोग' संस्था ने बेसहारा मानसिक दिव्यांग को दिया नया जीवन

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / :-काँकेर शहर तथा प्रदेश की सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था जन सहयोग द्वारा आज रविवार को पुनः एक मानसिक विकलांग व्यक्ति की मदद की गई और उसका गांव घर का पता लगाकर भेजने की भी तैयारी है। वो चार दिनों से संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी को संदेश मिल रहे थे कि एक मानसिक रोगी शहर में बिना भोजन वस्त्र के अत्यंत कष्ट में घूम फिर रहा है और अपना नाम तक बताने में असमर्थ है। इस सूचना के बाद दो दिनों तक जन सहयोग के सदस्य उसे व्यक्ति को ढूंढते रहे। बड़ी मुश्किल से वह मिला लेकिन वह अपनी सेवा हेतु कोई सहयोग नहीं कर रहा था। अजय पप्पू मोटवानी के समझाने पर वह भोजन के लिए तैयार हुआ। उसे भरपेट अच्छे से अच्छा भोजन दिया गया

और नहाने के लिए भी तैयार किया गया। बाल और दाढ़ी बनाने के बाद उसे नहलाया गया, जो शायद लंबे समय से नहीं नहाया था। नहाने के बाद वह कुछ शांत हुआ और उसने संस्था के द्वारा दिए गए कपड़े भी पहन लिए। वह अपना नाम-पता नहीं बता पाया, इसके लिए आम जनता से निवेदन किया गया है कि यदि कोई उसे पहचानता हो या पता जानता हो तो बताएं। संस्था अपने खर्चे पर उसे घर तक पहुंचाने के लिए हर समय तैयार रहेगी। आज के समाज सेवा कार्य में उत्साह पूर्वक भाग लेने वाले सदस्यों के नाम हैं, अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा भूतपूर्व सैनिक टी के जैन, करण नेताम, शैलेंद्र देहारी, नागेश देहारी, दीपक देहारी, लखन देहारी, संजय कुंजाम, सरकार सिंह, भुवनेश्वर यादव, शंभू यादव, शंकर रजक आदि समाज सेवकों ने भरपूर सहयोग दिया, जिसकी प्रशंसा नागरिकों द्वारा की जा रही है।

थानखम्हरिया में 12 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने दी थानखम्हरिया को विकास की नई सौगात

सड़क, पानी, शिक्षा से बदलेगा थानखम्हरिया का चेहराः 1200 लाख से अधिक के विकास कार्यों का शुभारंभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नगर पंचायत थानखम्हरिया में 12 अप्रैल 2026 (रविवार) को विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान कुल 1202.23 लाख रुपये (लगभग 12 करोड़ 2 लाख 23 हजार रुपये) के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया, जिसमें 621.45 लाख रुपये के लोकार्पण तथा 580.78 लाख रुपये के भूमिपूजन कार्य शामिल हैं।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत 63 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं भवन अनुज्ञा पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर साजा विधायक ईश्वर साहू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि नगर पंचायत थानखम्हरिया की अध्यक्ष श्रीमती अनीता चंदन अग्रवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, रजक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री का उद्बोधनः विकास, विश्वास और जनभागीदारी पर जोर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप

मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि थानखम्हरिया नगर पंचायत में आज जिन विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है, वे क्षेत्र के समग्र और संतुलित विकास को नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा और सामुदायिक अधोसंरचना जैसे कार्य सीधे आमजन के जीवन से जुड़े होते हैं और इनसे नागरिकों को बेहतर एवं सुगम सुविधाएं प्राप्त होती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि हर नगर और हर वार्ड तक बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ रूप से पहुंचें, ताकि आम नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। महतारी वंदन योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें धरातल पर पूरा करने का कार्य निरंतर जारी है और इसका लाभ सीधे आम जनता को मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नए कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं भवन निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिलेगा, वहीं पेयजल योजनाओं के विस्तार से स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। हाट-बाजार, मांगलिक भवन, मुक्तिधाम उन्नयन एवं तालाब सौंदर्यीकरण जैसे कार्य सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति देंगे। उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि विकास केवल सरकार का कार्य नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही इसे स्थायी और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब यह जिम्मेदारी पूरे नगरवासियों की है कि वे अपने नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उप मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन विकास कार्यों से थानखम्हरिया नगर पंचायत में बुनियादी ढांचे का सशक्त विस्तार होगा और आने वाले समय में यह क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

साजा विधायक ईश्वर साहू का संबोधन

साजा विधायक ईश्वर साहू ने अपने संबोधन में कहा कि थानखम्हरिया में किए जा रहे ये विकास कार्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार नागरिकों के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाएगा। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय निर्माण से शिक्षा का स्तर सुधरेगा, वहीं पेयजल योजनाओं से आमजन को राहत मिलेगी।

विधायक श्री साहू ने कहा कि हाट-बाजार, मांगलिक भवन एवं अन्य निर्माण कार्य स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे और रोजगार के अवसर भी बढ़ाएंगे। उन्होंने नागरिकों से विकास कार्यों में सहयोग करने और अपने क्षेत्र को स्वच्छ एवं विकसित बनाने की अपील की।

लोकार्पण के प्रमुख कार्य

अटल परिसर निर्माण एवं मूर्ति स्थापना ङ्क 20.00 लाख रुपये, वार्ड 11 मुस्लिम सराय के ऊपर भोजनालय निर्माण ङ्क 8.78 लाख रुपये, विभिन्न सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य ङ्क 196.00 लाख रुपये, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में कला एवं सांस्कृतिक कक्ष ङ्क 8.06 लाख रुपये, प्रयोगशाला कक्ष निर्माण ङ्क 9.76 लाख रुपये, पुस्तकालय कक्ष निर्माण ङ्क 13.10 लाख रुपयेशासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला थानखम्हरिया भवन निर्माण ङ्क 100.00 लाख रुपये, वार्ड क्र. 02 सार्वजनिक शौचालय उन्नयन ङ्क 5.00 लाख रुपयेखम्हरिया जल प्रदाय योजना (बरगा से नथानखम्हरिया सम्पवेल तक) ङ्क 260.75 लाख रुपये

भूमिपूजन के प्रमुख कार्य

डॉ. बी.आर. अंबेडकर सर्वसमाज मांगलिक भवन ङ्क 100.00 लाख रुपयेकईहा तालाब सौंदर्यीकरण (वार्ड 04, 05, 06, 08) ङ्क 73.00 लाख रुपयेवार्ड 09 हाट बाजार निर्माण ङ्क 50.00 लाख रुपयेमुक्तिधाम उन्नयन एवं अतिरिक्त सुविधा ङ्क 43.75 लाख रुपये।

घटिया निर्माण पर चला 'एक्शन मोड'! सीईओ इंद्रजीत बर्मन का औचक छापा, मौके पर ही हिल गई व्यवस्था!

नाली-सीसी रोड से लेकर शौचालय तक खुली लापरवाही की पोलज सीईओ गरजे ड्ड 'अब नहीं चलेगा समझौता, होगी कड़ी कार्रवाई!'

सारंगढ़-बिलाईगढ़ः/मूक पत्रिका

जिले में विकास कार्यों के नाम पर हो रही लापरवाही अब भारी पड़ने लगी है। गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। इसी कड़ी में इंद्रजीत बर्मन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सारंगढ़ ने 9 अप्रैल को ग्राम पंचायत बछोरडीह और धाराशिव में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण कर पूरे सिस्टम को झकझोर कर रख दिया। जैसे ही सीईओ का काफिला बछोरडीह पहुंचा, निर्माण एजेंसियों और जिम्मेदारों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत बन रही नाली और सीसी रोड में गंभीर खामियां उजागर हो गई। नाली निर्माण में गुणवत्ता का अभाव साफ दिखाई दिया, वहीं सीसी रोड का एलाइनमेंट भी पूरी तरह से गड़बड़ मिला। यह नजारा देखकर सीईओ का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया।

यहीं नहीं, स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए सार्वजनिक शौचालय की हालत भी बेहद खराब पाई गई। नल फिटिंग ठीक से नहीं की गई थी और पानी निकासी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद आम जनता को सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इन तमाम खामियों को देखकर सीईओ इंद्रजीत बर्मन ने मौके पर ही निर्माण एजेंसी को जमकर फटकार लगाई।

इंद्रजीत बर्मन जिला सीईओ ने साफ शब्दों में कहा कि÷सरकारी योजनाओं में लापरवाही और घटिया निर्माण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।÷सीईओ ने तत्काल सभी कार्यों में सुधार करने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि अगर जल्द सुधार नहीं हुआ, तो कड़ी कार्रवाई तय है।इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत धाराशिव में चल रहे चेक डैम निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। यहां भी हालात संतोषजनक नहीं मिले। चेक डैम का एलाइनमेंट गलत पाया गया और चेक डेम में स्लोप भी निर्माण नहीं किया गया था, जिससे भविष्य में इसकी मजबूती पर सवाल खड़े हो गए।स्थिति को गंभीर मानते हुए सीईओ ने संबंधित तकनीकी सहायक और निर्माण एजेंसी के खिलाफ तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश जनपद पंचायत बिलाईगढ़ को दिए। इस कार्रवाई के बाद विभागीय अधिकारियों और एजेंसियों में हड़कंप की स्थिति बन गई है।

निरीक्षण के दौरान सीईओ ने स्पष्ट तौर पर दो टूक संदेश दिया–÷जिले में चल रहे सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोपरि है। मानक से किसी भी प्रकार का समझौता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों पर सीधी और कठोर कार्रवाई होगी।÷ उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों में केवल गुणवत्ता युक्त सामग्री का ही उपयोग सुनिश्चित किया जाए और समय-समय पर निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि जनता को बेहतर और टिकाऊ सुविधाएं मिल सकें। इस औचक निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, (ग्रा. यां. से)के अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी एवं जनपद पंचायत बिलाईगढ़ के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

नरहरपुरः विधायक आशाराम नेताम की मौजूदगी में 'गांव चलो बस्ती चलो' अभियान का शंखनाद,

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / :-नरहरपुर भारतीय जनता पार्टी के 'गांव चलो बस्ती चलो' अभियान के तहत ग्राम देवीनवागांव में आज उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्रीय विधायक माननीय आशाराम नेताम जी शामिल हुए। विधायक जी ने ग्रामीणों के बीच बैठकर न केवल उनकी समस्याएं सुनीं, बल्कि शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने का भरोसा भी दिलाया। विधायक आशाराम नेताम ने गांव की माताओं, बहनों, युवाओं और बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने कहा कि ÷हमारा लक्ष्य केवल राजनीति नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति की सेवा है।÷ जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने अपनी आवश्यकताओं और क्षेत्र के विकास से जुड़े सुझाव साझा किए, जिन्हें विधायक ने गंभीरता से नोट किया और त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक ने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम कर रही है। 'गांव चलो बस्ती चलो' अभियान के माध्यम से हर घर तक शासन की योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है, ताकि क्षेत्र का समग्र विकास हो सके। कार्यकर्ताओं में दिखा भारी उत्साह विधायक जी की उपस्थिति से कार्यकर्ताओं में जबरदस्त ऊर्जा देखी गई। इस दौरान भाजपा के समस्त पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में क्षेत्र के विकास और संगठन की मजबूती का संकल्प लिया।

तेंदूपत्ता भुगतान पर सियासत तेज, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

डिजिटल भुगतान को लेकर भाजपा का दावा, कांग्रेस ने तेंदूपत्ता मजदूरों के अपमान का लगाया आरोप

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। तेंदूपत्ता संग्राहकों के भुगतान को लेकर बीजापुर में राजनीति गर्म हो गई है। भाजपा और कांग्रेस इस मुद्दे पर खुलकर आमने-सामने आ गई हैं।भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा ने कहा कि सरकार अब तेंदूपत्ता संग्राहकों का पैसा सीधे उनके बैंक खातों में डाल रही है। उनके मुताबिक इससे पारदर्शिता आई है और बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा संग्राहक बैंकिंग और डिजिटल व्यवस्था से जुड़ें।

गागड़ा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि तेंदूपत्ता सीजन आते ही वह आदिवासियों को गुमराह करने में लग जाती है। उनका कहना है कि पहले खरीदी सीमित समय तक होती थी, लेकिन अब सरकार पूरी खरीदी करेगी और 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है।वहीं कांग्रेस ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से लक्ष्मण कड़ती ने गागड़ा के बयान को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि नगद भुगतान की बात करने वालों को ÷बाबा आदम जमाने÷ का बताना तेंदूपत्ता मजदूरों का अपमान है।

कड़ती ने कहा कि यहां के हालात ऐसे हैं कि लोग काम के लिए बाहर राज्यों में जा रहे हैं। ऐसे में जो मजदूर जंगलों में तपती गर्मी में दिनभर मेहनत करते हैं, उनके लिए इस तरह की भाषा ठीक नहीं है।

उन्होंने गागड़ा से इस बयान पर माफी मांगने की मांग की और सवाल उठाया कि क्या भाजपा के नेता खुद 40 डिग्री में जंगलों में तेंदूपत्ता तोड़ने जाते हैं।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि डिजिटल भुगतान अच्छी बात है, लेकिन जमीनी सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कड़ती ने तंज करते हुए पूछा कि क्या तेंदूपत्ता तोड़ाई भी अब डिजिटल तरीके से होगी।कुल मिलाकर तेंदूपत्ता को लेकर शुरू हुआ यह विवाद अब सियासी रंग ले चुका है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमाने के आसार हैं।

विकास की राख में दबी सांसें: गेरवानी में जनसुनवाई से पहले उबलता जनाक्रोश'

रायगढ/मूक पत्रिका

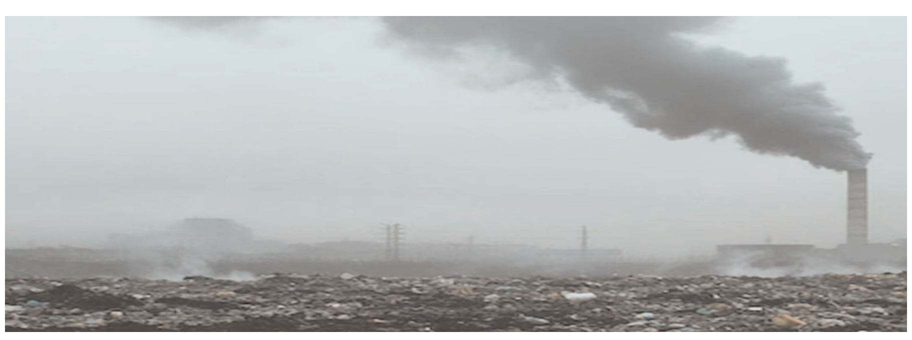

जिले का औद्योगिक नक्शा जितनी तेजी से फैल रहा है, उतनी ही तेजी से यहां की हवा, पानी और मिट्टी जहरीली होती जा रही है। विकास के नाम पर खड़े किए गए विशाल कारखानों की चिमनियों से उठता धुआं अब सिर्फ आसमान ही नहीं, बल्कि लोगों के जीवन और भविष्य को भी ढक चुका है। ऐसे हालात में गेरवानी स्थित शांभवी इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्तावित क्षमता विस्तार के लिए 21 अप्रैल 2026 को होने वाली जनसुनवाई ने पूरे इलाके को उबाल पर ला दिया है।यह महज एक औपचारिक जनसुनवाई नहीं, बल्कि उस पीड़ा का विस्फोट बनने जा रही है, जो वर्षों से ग्रामीणों के भीतर सुलग रही है। लाखा, चिराईपानी, पाली, देलारी, सराईपाली, जीवरी, गेरवानी, शिवपुरी, भेलवाटिकरा, बरलिया, छिरभौना, बरपाली और तराईमाल– इन गांवों की गलियों में इन दिनों सिर्फ एक ही चर्चा है–÷अब और नहीं।÷ चौपालों में बैठकों का दौर जारी है, तो घरों के आंगन में महिलाओं के समूह भी खुलकर विरोध की रणनीति बुन रहे हैं।

यह विरोध अचानक नहीं है, बल्कि उस लाचारी और घुटन की उपज है, जिसे लोगों ने सालों तक चुपचाप सहा।गेरवानी-सराईपाली क्षेत्र आज जिले का सबसे प्रदूषित इलाका बन चुका है। यहां की हवा में जहर घुल चुका है, पानी पीने लायक नहीं रहा, और ध्वनि प्रदूषण ने मानसिक शांति तक छीन ली है। चौबीसों घंटे उड़ती फ्लाई ऐश, सड़कों पर धूल का गुबार, और मशीनों की कर्कश आवाजें–यहां का जीवन अब किसी सजा से कम नहीं लगता। लोग कहते हैं कि यह ÷आधुनिक काला पानी÷ है, जहां सजा तो है, पर कोई अपराध नहीं।कभी विकास के सपनों में अपनी पुश्तैनी जमीनें सौंप देने वाले ग्रामीण आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्हें स्कूल, अस्पताल और रोजगार के सपने दिखाए गए थे, लेकिन बदले में मिला बीमार शरीर, प्रदूषित पर्यावरण और अनिश्चित भविष्य। अब उन्हें यह समझ में आ चुका है कि 'विकास' के नाम पर जो सुनहरी तस्वीर दिखाई गई थी, वह दरअसल मृग-मरीचिका थी।ऐसे में शांभवी इस्पात का प्रस्तावित विस्तार लोगों के लिए किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि वर्तमान हालात में ही जीना दूभर है, अगर उद्योग का विस्तार हुआ तो हालात और भयावह हो जाएंगे। उनके मन में एक ही सवाल है– ÷क्या हमारी जिंदगी की कोई कीमत नहीं?÷गांवों में चल रही बैठकों में अब सिर्फ विरोध नहीं, बल्कि एकजुटता भी साफ दिखाई दे रही है। लोग तय कर चुके हैं कि इस बार वे किसी भी बहकावे, लालच या दबाव में नहीं आएंगे। उन्हें इस बात का भी अंदेशा है कि जनसुनवाई के दौरान साम, दाम, दंड और भेद–हर हथकंडा अपनाया जा सकता है। लेकिन इस बार ग्रामीणों का मनोबल पहले से कहीं ज्यादा मजबूत नजर आ रहा है। यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े सवाल को जन्म देता है–क्या लोकतंत्र में वास्तव में जनता की आवाज सुनी जाती है, या फिर फैसले पहले ही तय हो चुके होते हैं? क्या जनसुनवाई महज एक औपचारिकता बनकर रह गई है, जहां कागजों पर सहमति दिखाई जाती है और जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर दिया जाता है?अब निगाहें 21 अप्रैल पर टिकी हैं। यह दिन सिर्फ एक कंपनी के विस्तार का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि इस इलाके में आगे सांसें बचेंगी या सिर्फ धुआं।लड़ाई साफ है–एक तरफ जीवन और पर्यावरण, दूसरी तरफ मुनाफा और प्रदूषण।

अब देखना यह है कि इस जंग में आखिर जीत किसकी होती है

बेमेतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 125 पौवा अवैध शराब और वाहन जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने अवैध शराब बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सुंदर नगर स्थित सोन्ना दा ढाबा के सामने एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री के लिए रखे हुए है। सूचना मिलते ही थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा एवं साइबर सेल की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेड कार्रवाई की।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी तेजिंदर सिंह (40 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 08, बेमेतरा को उसके वाहन क्रमांक छ्त्त 25 छ्व 6882 सहित पकड़ा। वाहन की डिग्गी से बिक्री के लिए रखी गई 125 पौवा देशी मसाला एवं प्लेन शराब (कुल 22,500 मिलीलीटर) बरामद की गई।

जब्त शराब की कीमत लगभग 12 हजार रुपये तथा प्रयुक्त वाहन की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। कुल जब्ती की कीमत 10 लाख 12 हजार रुपये बताई गई है।

इस मामले में थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा में आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा सहित पुलिस और साइबर सेल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब, गांजा, नशीले पदार्थों और अन्य असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

बनराका और अकलवारा में माँ कर्मा उत्सव की धूम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्राम बनराका एवं ग्राम पंचायत अकलवारा में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की श्रृंखला के तहत माँ कर्मा उत्सव, शपथ ग्रहण, सामूहिक आदर्श विवाह एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने समाज को एकता, सेवा और संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश देते हुए नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ जनप्रतिनिधि सहित ग्रामवासी उपस्थित थे 7 बनराका में 3 जोड़ों का सामूहिक विवाह, नवदंपतियों को मिला आशीर्वादथानखम्हरिया तहसील अंतर्गत ग्राम बनराका में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने माँ कर्मा उत्सव, शपथ ग्रहण एवं सामूहिक आदर्श विवाह समारोह में सहभागिता की। इस दौरान 03 जोड़ों का विधिवत विवाह संपन्न हुआ। उपमुख्यमंत्री ने नवदंपतियों को सुख, समृद्धि और खुशहाल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने साहू समाज के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकजुटता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। अकलवारा में शपथ ग्रहण समारोह, युवाओं को दी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा ग्राम पंचायत अकलवारा में आयोजित माँ कर्मा उत्सव एवं शपथ ग्रहण समारोह में भी उपमुख्यमंत्री शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने समाज के पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए उन्हें अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझते हुए आगे आने की अपील की।

साहू समाज के परिश्रम और संस्कार की सराहना

अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि माँ कर्मा जी का जीवन सेवा, समर्पण और समाज को संगठित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संगठित और जागरूक समाज ही तेजी से विकास कर सकता है और एक मजबूत, शिक्षित समाज ही प्रदेश व देश की असली ताकत होता है। उन्होंने साहू समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के लोग अपने कर्मठ परिश्रम, अनुशासित जीवनशैली और सामाजिक मूल्यों के लिए पहचाने जाते हैं। उनका यह कर्मप्रधान जीवन अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक समरसता, समानता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

विधायकों ने भी की आयोजन की सराहना

इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा युवाओं से समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। वहीं साजा विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि माँ कर्मा उत्सव एवं सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में एकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की तथा समाज की निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दीं।

समाज में एकता और संस्कार को मिला नया संबल

कार्यक्रम के अंत में उपमुख्यमंत्री ने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और समाज के सभी लोगों के योगदान को नमन करते हुए माँ कर्मा जी के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। यह आयोजन सामाजिक एकता, सांस्कृतिक परंपरा और सामूहिक सहयोग की भावना को सशक्त करने वाला साबित हुआ।

संपादकीय

अपराध के पांव ! कम उम्र के बच्चों में हिंसा की प्रवृति बेहद खतरनाक

अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं?मामूली बातों के लिए किसी की हत्या कानून व्यवस्था से जुड़ा मसला जरूर है, लेकिन इसका समाजशास्त्रीय पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। आजकल मामूली बातों पर विवाद जिस तरह हिंसक मोड़ ले रहे हैं, वह चिंता का विषय है।लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं। ऐसी घटनाओं का अंत कई बार किसी की हत्या तक के रूप में सामने आता है। इस तरह के मामलों में नाबालिगों के भी शामिल पाए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।देश की राजधानी होने के बावजूद कानून और सामाजिक विकास के मोर्चे पर नाकामी की वजह से आपराधिक घटनाओं में नाबालिगों की बढ़ती संलिप्तता के पीछे किसकी कमजोरी मानी जाएगी?पिछले दिनों उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या समाज की दशा और दिशा की एक तकलीफदेह तस्वीर सामने रख देती है। इस मामले में तीन नाबालिगों पर आरोप है कि वे घटनास्थल पर युवक को चाकू मारते रहे, जबकि चौथा इस घटना का वीडियो बनाता रहा। साफ है कि आरोपियों के मन में कानून का कोई खौफ नहीं था।इससे पहले भी दिल्ली में हुई कई वारदात में नाबालिग शामिल पाए गए हैं। देश की राजधानी में अपराध की यह तस्वीर कैसे और क्यों बन रही है, यह चिंता सरकार की प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखती। इसकी फिक्र भी किसी को नहीं है कि कम उम्र के किशोरों के हाथों में घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। हाल के वर्षों में कम उम्र के बच्चों के बीच भी हिंसा की प्रवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, यह समाज के लिए बेहद खतरनाक है।नशे की लत का शिकार होने के बाद कई नाबालिग इस समय अपराध के दलदल में धंसते दिख रहे हैं। अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं? कानून से लेकर समाज तक, अपराध और अपराधियों के प्रति जरूरी सख्ती न बरतने का ही नतीजा है कि नाबालिगों के कदम अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार और समाज के लिए यह व्यापक चिंता का मसला होना चाहिए।

देश से सशस्त्र माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। लेकिन अर्बन नक्सलियों का माड्यूल अभी भी सक्रिय है। नक्सलवाद-माओवाद के खूनी पंजों ने चारो ओर कैसे दहशत फैला रखी थी? उसकी गवाह हर वो तारीखे़ हैं जब-जब हमारे वीर जवानों ने माओवादियों से लोहा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, बस्तर में सुख-शांति के लिए अपना बलिदान दे दिया। ऐसी ही इतिहास की एक तारीख़ है 6 अप्रैल 2010।

अब नहीं पनपेंगे माओवादी: जरा याद इन्हें भी कर लो

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

साथ ही छत्तीसगढ़ के कांकेर समेत कई अलग-अलग इलाकों में अर्बन नक्सलियों ने जवानों के बलिदान पर जश्न मनाया।? इस घटना को अर्बन नक्सली कही जाने वाली अरुंधति राय की पुस्तक, रिपोर्टिंग के लिए भी देखा जाना चाहिए। क्योंकि इस घटना वाले दिन से अगले– 19 दिन तक अरुंधति राय दंतेवाड़ा में रुकीं।

देश से सशस्त्र माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। लेकिन अर्बन नक्सलियों का माड्यूल अभी भी सक्रिय है। नक्सलवाद-माओवाद के खूनी पंजों ने चारो ओर कैसे दहशत फैला रखी थी? उसकी गवाह हर वो तारीखे़ हैं जब-जब हमारे वीर जवानों ने माओवादियों से लोहा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, बस्तर में सुख-शांति के लिए अपना बलिदान दे दिया। ऐसी ही इतिहास की एक तारीख़ है 6 अप्रैल 2010।

ये तारीख़ याद कर लीजिए। ये वो तारीख़ थी जब दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ की 62 वीं बटालियन पर घात लगाकर माओवादी आतंकियों ने हमला किया था। सुकमा (तत्कालीन दंतेवाड़ा) के चिंतागुफा, ताड़मेटला के पास माओवादियों ने क्रूरता की अति कर दी थी। लेकिन जवानों का हौसला कम नहीं था। माओवादियों के साथ हुए संघर्ष में 76 जवानों ने अपना बलिदान दे दिया था। सीआरपीएफ ने वीर बलिदानियों को याद करते हुए लिखा –हमारे 75 श्रेष्ठ जवानों ने 6 घंटे तक चले भीषण संघर्ष में 7 माओवादियों को ढेर किया और 8 को घायल किया, इसके बाद उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। 500 से अधिक भारी हथियारों से लैस माओवादियों और सैकड़ों सीआरपीएफ से घिरे होने के बावजूद–जो लगभग हर उस स्थान पर लगाए गए थे। जहाँ हमारे जवान शरण लेकर जवाबी कार्रवाई कर सकते थे। उनका साहस अद्वितीय और अविस्मरणीय था।हमारे कुछ वीरों ने अपने साथियों की रक्षा करने और दुश्मन को निष्क्रिय करने के लिए ग्रेनेड पर लेटकर सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम क्षणों में भी वीर सैनिकों ने अपने हथियार अपने नीचे छिपा लिए।

इस क्रूर हमले का मास्टरमाइंड माडवी हिड़मा था। इसके बाद जेएनयू में अर्बन नक्सलियों ने जश्न मनाया था। दंतेवाड़ा क्षेत्र में हमले के समय डीआईजी रहे आईपीएस कल्लूरी ने जेनएयू में हमले के बाद हुए जश्न की चर्चा करते हुए कहा था –मुझे काफी दुःख पहुँचा था जब मुझे यह पता चला कि जेनएयू में (कुछ विद्यार्थियों द्वारा) ताड़मेटला में 76 बलिदानी जवानों के बलिदान का जश्न मनाया गया।

साथ ही छत्तीसगढ़ के कांकेर समेत कई अलग-अलग इलाकों में अर्बन नक्सलियों ने जवानों के बलिदान पर जश्न मनाया।? इस घटना को अर्बन नक्सली कही जाने वाली अरुंधति राय की पुस्तक, रिपोर्टिंग के लिए भी देखा जाना चाहिए। क्योंकि इस घटना वाले दिन से अगले– 19 दिन तक अरुंधति राय दंतेवाड़ा में रुकीं। उन्होंने एक रिपोर्ट बनाई थी, जो सेना, प्रशासन और छत्तीसगढ़ सरकार के विरोध में थी। अब आप सोचिए कि जहां एक ओर हमारे 76 जवानों का बलिदान हो गया। वहीं दूसरी ओर अर्बन नक्सली। इसे जीत के तौर पर देख रहे थे। भारत के ख़िलाफ़ छेड़े गए सशस्त्र युद्ध के इस घटनाक्रम पर जश्न मना रहे थे। सेना, पुलिस और सरकार के ख़िलाफ़ प्रोपेगैंडा वाली रिपोर्टिंग की जा रही थी। उन्हें खलनायक बताया जा रहा था। जबकि माओवादी आतंकियों की रहनुमाई की जा रही थी।? क्योंकि अर्बन नक्सलियों के लिए माओवादियों के द्वारा जवानों की हत्या–जीत

थी।? इसे वो बड़े माड्यूल के तौर पर फैलाना चाहते थे।

ये ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है कि अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों में कोई विशेष अंतर नहीं है। ये दोनों न तो देश के संविधान को मानते हैं। न ही इनमें राष्ट्र के प्रति कोई निष्ठा है। इनका हमेशा से एक ही उद्देश्य रहा है कि- कैसे भारत में रक्तपात किया जाए। जल-जंगल, जमीन के नाम पर हिंसा की जाए। ये दोनों जनजातीय समाज के, वनवासियों के घोर शत्रु हैं।अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों के रक्तपात के चलते ही– सुदूर वनांचल क्षेत्र विकास से बहुत पीछे रह गए। हालांकि जैसा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि– यह अर्बन नक्सल खुद हाथ में हथियार नहीं लेना चाहते, लेकिन गरीबों के हाथ में हथियार देकर अपनी विचारधारा फैलाना चाहते हैं। मगर उनके भी दिन लद गए हैं।

ये कथन इस बात की प्रतिपुष्टि करता है कि हथियारबंद माओवादियों के बाद अगला नंबर अर्बन नक्सलियों का है। जो भी भारत की अखंडता, संप्रभुता और संविधान के ख़िलाफ़ आएगा। वो बख़्शा नहीं जाएगा। मातृभूमि भारतभूमि को हम रक्तरंजित नहीं होने दे सकते।

हमारे वीर जवानों ने सुरक्षा के लिए जिस अदम्य साहस का परिचय दिया है। वर्षों तक माओवादियों की मांद में घुसकर उन्हें नेस्तनाबूद किया है।आज उन वीर बलिदानियों के कारण ही छत्तीसगढ़ खूनी आतंक से बाहर आया है। सशस्त्र माओवादी आतंक का सफाया हो चुका है। अर्बन नक्सली हमेशा से हथियारबंद माओवादियों की ढाल बनकर खड़े रहते थे। अभी भी ये सिलसिला रुका नहीं है। नक्सलवाद के समर्थन में साहित्य लिखते, इंटरव्यू करते, एडिटोरियल लिखते, नाट्य मंचन करते, ढफली बजाते, रैली करते और चिंघाड़ते हुए अर्बन नक्सली नज़र आते थे।? ये मानवाधिकार के नाम पर माओवादी हिंसा को जायज़ ठहराते थे। लेकिन माओवादी आतंकी जिन निर्दोषों की हत्या करते थे। उनके मानवाधिकार पर ये चुप्पी ओढ़ लेते थे। वो माओवादी जो बस्तर के जनजातीय समाज का दमन करते थे। स्थानीय लोगों के जवान बच्चों और महिलाओं को अर्बन नक्सलियों के कॉन्सेप्ट पर उठा ले जाते थे। फिर उनके हाथों में हथियार थमा देते थे। रक्तपात कराते थे। बस्तर के वो बच्चे जिन्हें हाथों में किताबें थामनी थी। अर्बन नक्सलियों, माओवादियों ने - उन्हें बंदूक पकड़ने के लिए मजबूर किया। उनका बचपन, घर-परिवार और समाज सबकुछ छीन लिया। बारूदी गंध की ज़िंदगी जीने को विवश किया। भोले-भाले, सरल हृदय जनजातीय समाज को अपने ही समाज का दुश्मन बना दिया। माओवादियों ने उन्हें रक्तपात करने का हथियार बनाने का जघन्य अपराध किया। क्या इनसे किसी भी प्रकार की सहानुभूति की दिखाई जा सकती है ?

आज जिस माडवी हिड़मा को अर्बन नक्सली हीरो बना रहे हैं। अर्बन नक्सली जिस हिड़मा के लिए नारे लगा रहे हैं। मत भूलिए कि वो आतंकी इन 76 जवानों की हत्या का असल मास्टरमाइंड था। माडवी हिड़मा वो खूंखार आतंकी था जिसने न जाने कितने घर-परिवार उजाड़ दिए। न जाने कितने निर्दोषों को गोली से भून दिया।? नृशंसता के साथ सिलसिलेवार ढंग से हत्याओं को अंज़ाम दिया। अब, उस हिड़मा को महान बलिदानी भगवान बिरसा मुंडा से जोड़ने का अपराध, अर्बन नक्सली कर रहे हैं। बिरसा मुंडा जिन्होंने राष्ट्रीय अस्मिता के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। ईसाई मिशनरियों, अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया। स्वतंत्रता, जनजातीय अस्मिता, भारत की संस्कृति और कन्वर्जन के ख़िलाफ़ जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। अगर कोई भी भगवान बिरसा मुंडा से हिड़मा जैसे माओवादी क्रूर हत्यारे को जोड़ता है तो ये सबसे बड़ा अपराध है। यह हमारे आदर्शों, हमारी संस्कृति, जनजातीय समाज का घोर अपमान है। ये किसी भी क़ीमत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अब भी जो लोग माओवाद के समर्थन में लोगों को बरगलाते दिखाई दें। जो हिड़मा जैसे माओवादी आतंकी को ग्लोरीफाई करते दिखें। जो ये विमर्श करते दिखें कि– अजी ! जल-जंगल जमीन के लिए नक्सलवाद फिर से वापस आ सकता है। ऐसे में ये तय मानिए कि या तो ये अर्बन नक्सली हैं। याकि ये अर्बन नक्सलियों के नैरेटिव के ट्रैप में फंस गए हैं। याकि ये किसी पॉलिटिकल लाइन को एड्रेस कर रहे हैं। देश समेत छत्तीसगढ़ से माओवादी आतंक का सफ़ाया ये बता रहा है कि- अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो। संकल्प हो। समाज के लिए बेहतरी की चिंता हो तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं हो सकता है। हमारे सुरक्षाबल, हमारे गौरव है। उनके असंख्य बलिदानों के प्रति ये राष्ट्र और समाज अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है। हमारा छत्तीसगढ़, हमारे बस्तर की माटी और उसकी संतानें अब सृजन का नया विहान रच रही हैं। अब बस्तर में बारूद की गंध कभी नहीं लौटेगी। हमारा पूरा समाज-एक साथ खड़ा है। बस्तर के युवाओं के कंधों पर अब वहां की शिक्षा-रक्षा, स्वास्थ्य-रोजगार, विकास की कमान है। जो अभावग्रस्त हैं। उन तक अब सारे संसाधन तेजी से पहुंचेंगी। वीर गुंडाधुर, भगवान बिरसा मुंडा, दंतेश्वरी माई की संतानें अब मूल को पहचानकर सृजन के गीत गा रही हैं। प्रकृति की लय ताल के साथ एकाकार होकर शांत और सुरम्य तस्वीरें रच रही हैं। (लेखक (साहित्यकार, स्तंभकार एवं पत्रकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गाजा और ईरान युद्ध के बाद अरब देशों का भरोसा अमेरिका से उठा

चीन-रूस पर बढ़ा

(नीरज कुमार दुबे)

खाड़ी देशों ने दशकों तक अमेरिका को अपने यहां सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति देकर यह भरोसा किया था कि इससे उनकी सुरक्षा मजबूत होगी और वह किसी भी बाहरी खतरे से सुरक्षित रहेंगे। लेकिन ईरान के साथ हालिया युद्ध ने इस धारणा को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है।

मध्य पूर्व आज बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का ज्वलंत उदाहरण बन चुका है। जिस अमेरिका ने दशकों तक इस क्षेत्र को अपनी रणनीतिक मुट्ठी में रखा, वही आज यहां अपनी पकड़ खोता नजर आ रहा है। पहले गाजा में तबाही और अब ईरान युद्ध से उपजे हालात अरब देशों को गहरी चिंता में डाल गये हैं। गाजा में हमले और ईरान युद्ध से लाखों लोग बेघर हुए, हजारों जिंदगियां खत्म हुई और पूरे क्षेत्र में तबाही का मंजर फैल गया। इस सबसे अरब दुनिया के लोगों के दिल और दिमाग में बड़ा बदलाव आया है। हम आपको बता दें कि अरब दुनिया में अब अमेरिका के लिए भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। जनता उसे एक पक्षीय, अवसरवादी और नैतिक रूप से कमजोर शक्ति के रूप में देख रही है। इसके उलट चीन और रूस को अधिक संतुलित और भरोसेमंद विकल्प माना जाने लगा है। लोग अब यह मानने लगे हैं कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून की बात केवल तब करता है जब उसे फायदा हो। अरब देश यह भी देख रहे हैं कि गाजा अब भी मलबे में दबा है और वहां पुनर्निर्माण की कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। इसके अलावा, इस युद्ध की सबसे भारी कीमत खाड़ी देशों को चुकानी पड़ रही है। पर्यटन, जो उनकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वह बुरी तरह हिल गया है। अनुमान है कि पर्यटन राजस्व में 13 अरब से 32 अरब डॉलर तक की गिरावट आ सकती है। यह गिरावट तब हो रही है जब 2024 में इन देशों ने पयर्टन से 120 अरब डॉलर का राजस्व कमाया था। इतना ही नहीं, एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अरब देशों को इस युद्ध से करीब 200 अरब डॉलर तक का कुल नुकसान हो सकता है। यानी यह सिर्फ आर्थिक झटका नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संकट का संकेत है।

इसके अलावा, खाड़ी देशों ने दशकों तक अमेरिका को अपने यहां सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति देकर यह भरोसा किया था कि इससे उनकी सुरक्षा मजबूत होगी और वह किसी भी बाहरी खतरे से सुरक्षित रहेंगे। लेकिन ईरान के साथ हालिया युद्ध ने इस धारणा को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है। हकीकत यह सामने आई कि यही अमेरिकी अड्डे खाड़ी देशों के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन गए। ईरान ने सीधे तौर पर उन ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाया जहां अमेरिकी मौजूदगी थी और इसके चलते हमले खाड़ी देशों की जमीन पर हुए। नतीजा यह हुआ कि नुकसान केवल अमेरिका का नहीं, बल्कि खाड़ी देशों का भी हुआ और उनकी सुरक्षित निवेश गंतव्य तथा स्थिर क्षेत्र की छवि को गहरा आघात पहुंचा। इसलिए सबसे गंभीर सवाल यह उठता है कि जब संकट की घड़ी आई तो अमेरिका अपने ही सैन्य अड्डों के आसपास स्थित देशों को पूर्ण सुरक्षा नहीं दे सका। ऐसे में अब यह बहस तेज हो रही है कि क्या खाड़ी देश भविष्य में अमेरिका को अपने यहां सैन्य मौजूदगी जारी रखने देंगे या वह इस मॉडल पर पुनर्विचार करेंगे। यह घटनाक्रम पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि किसी बाहरी शक्ति को अपने भूभाग पर सैन्य अड्डे देने की कीमत कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए मध्य पूर्व में आने वाले समय में रणनीतिक स्तर पर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अरब देश समझ रहे हैं कि अमेरिका की अगुवाई वाली व्यवस्था अब दरक रही है। अरब देश अब खुलकर या चुपचाप अपने विकल्प तलाश रहे हैं। चीन और रूस के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। रक्षा सहयोग बढ़ रहा है, व्यापारिक साझेदारियां गहरी हो रही हैं और नए बहुपक्षीय मंचों की ओर झुकाव साफ दिख रहा है। साथ ही खाड़ी देशों ने युद्ध से पहले अमेरिका को चेताया था, लेकिन उनकी अनदेखी की गई। अब जब वह खुद नुकसान झेल रहे हैं, तो वह अपने निवेश और गठबंधनों पर दोबारा सोचने को मजबूर हैं। देखा जाये तो अमेरिका की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी इजराइल के प्रति अंध समर्थन बन चुकी है। अरब जनता इसे अन्याय और दोहरे मापदंड के रूप में देखती है। लोगों का मानना है कि अमेरिका ने न तो मानवाधिकारों की रक्षा की और न ही अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया। यही कारण है कि अब चीन को ज्यादा जिम्मेदार और संतुलित शक्ति माना जा रहा है। यह अमेरिका के प्रभाव के खत्म होने का संकेत है।

आधुनिक दौर की परवरिश, क्यों बच्चों में घट रहे हैं संस्कार और जिम्मेदारी

विडंबना यह है कि दूसरों को दोष देने के बजाय बच्चों के संरक्षक के रूप में वे अपनी भूमिका कितनी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, आमतौर पर इस पर आत्मचिंतन और आत्म-समीक्षा नहीं करते हैं।अब वैसे संयुक्त परिवारों के समाप्त हो जाने का दौर चल रहा है, जिनमें दादा-दादी बच्चों में संस्कार के बीज रोपा करते थे, चाचा-चाची बच्चों को प्यार-दुलार करके उनके भावनात्मक विकास में सहभागी बनते थे। बच्चे अपने परिजनों की देखरेख में एक स्वस्थ माहौल में पलते-बढ़ते थे। अब एकल परिवार का जमाना है, जहां कई बार पति और पत्नी, दोनों ही कामकाजी होते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को देर से थक कर घर आते हैं।

(रेखा शाह अरबी)

बच्चों को दुनिया में कैसे जीना है और किसके साथ कैसा व्यवहार करना है और अपने अंदर कैसे आत्मविश्वास पैदा करना है, यह सब भी बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। एकल या छोटा परिवार होने का सबसे ज्यादा नुकसान बच्चे ही उठाते हैं। सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों में संस्कार, शिष्टाचार, विनम्रता, बड़ों के प्रति आदर भाव, देश और परिवार के प्रति जिम्मेदारी और नैतिक मूल्य भरे हों। मगर जब वे अपने बच्चों के भीतर इन मूल्यों का अभाव देखते हैं, तो कई बार चिंता में घिर जाते हैं, सोच में पड़ जाते हैं कि आखिर चूक कहां पर हो रही है। इस क्रम में जब कुछ समझ में नहीं आता है, तो आसान से शब्दों में इसका हल तलाशते हैं कि जमाना ही खराब है, इसीलिए बच्चे बिगड़ रहे हैं। विडंबना यह है कि दूसरों को दोष देने के बजाय बच्चों के संरक्षक के रूप में वे अपनी भूमिका कितनी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, आमतौर पर इस पर आत्मचिंतन और आत्म-समीक्षा नहीं करते हैं।अब वैसे संयुक्त परिवारों के समाप्त हो जाने का दौर चल रहा है, जिनमें दादा-दादी बच्चों में संस्कार के बीज रोपा करते थे, चाचा-चाची बच्चों को प्यार-दुलार करके उनके भावनात्मक विकास में सहभागी बनते थे। बच्चे अपने परिजनों की देखरेख में एक स्वस्थ माहौल में पलते-बढ़ते थे। अब एकल परिवार का जमाना है, जहां कई बार पति और पत्नी, दोनों ही कामकाजी होते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को देर से थक कर घर आते हैं।

इस बीच बच्चा किसी अन्य की देखरेख में होता है। इसी वजह से बच्चों का बचपन आज अकेलेपन से घिरता जा रहा है। छोटा-सा परिवार अगर कभी इकट्ठा भी होता है, तो रात में सोने से पहले भोजन के समय ही। वहां भी सीमित समय में एक-दूसरे से सीमित बातचीत होती है। परिवार में एक-दूसरे से संवाद की भारी कमी रहती है। उधर बच्चों के मन में जो उधेड़बुन चल रही

होती है, उससे उसे अकेले ही निपटना पड़ता है। यह स्थिति बच्चों को जिद्दी, बदतमीज और उद्दंड बनाती है। वह अपनी हताशा इन्हीं तरीकों से निकालता है। जब बच्चे की बात कोई नहीं सुनता है, तो वह अपनी बात सुनाने के लिए कई बार गलत तरीका अपना लेता है।

एक समस्या यह है कि अब परिजन और यहां तक कि माता-पिता भी संवाद करने के बजाय टीवी, स्मार्टफोन, टैब, कंप्यूटर में अपने आप को व्यस्त रखते हैं। बच्चों की देखभाल अधिकतर आया करती है या वह देखभाल केंद्र में संभाला जाता है। बच्चों का अधिकांश समय उनके अपने परिजनों के बिना व्यतीत होता है, जिससे उन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

कोई भी बच्चा सब कुछ सीख कर धरती पर जन्म नहीं लेता है। वह अपने आसपास के लोगों से, अपने माता-पिता से ही सीखता है। अफसोस की बात है कि अब बच्चों को माता-पिता का साथ ही कम मिल रहा है। बाहर से वह जो कुछ भी सीखता है, वह उसके पास जैसे का तैसे के रूप में आता है। यानी उन बातों में गलत बातें भी रहती हैं, सही बातें भी रहती हैं। बच्चा इस बात में अंतर नहीं कर पाता है कि क्या गलत है और क्या सही है। इसीलिए अगर बच्चों में मूल्यों और संवेदनशीलता की कमी है, तो उसके लिए सबसे ज्यादा परिजन ही होते हैं।

जहां तक स्कूलों का सवाल है, वे बच्चों को अक्षर ज्ञान तो दे सकते हैं, लेकिन उन्हें व्यावहारिक और सामाजिक ज्ञान, शिष्टाचार, लोकाचार आदि नहीं सिखा सकते हैं। यह सब बच्चा आमतौर पर परिवार में ही सीखता है। कई बार ऐसा होता है कि जो बच्चे बहुत छोटी उम्र से खेल-स्कूल, देखभाल केंद्र और आया की देखभाल में रहते हैं, वह बहुत छोटी-छोटी बातें भी नहीं सीख पाते हैं। वे व्यावहारिक ज्ञान से बिल्कुल ही अनभिज्ञ रहते हैं और अपनी हर जरूरत के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं।

बच्चों को दुनिया में कैसे जीना है और किसके साथ कैसा व्यवहार करना है और अपने अंदर कैसे आत्मविश्वास पैदा करना है, यह सब भी बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। एकल या छोटा परिवार होने का सबसे ज्यादा नुकसान बच्चे ही उठाते हैं। न उन्हें अच्छी परवरिश मिल पाती है और न ही भरपूर प्यार-दुलार ही मिल पाता है। वे अपनी परंपरा अपने तीज-त्योहार से भी अपरिचित ही रह जाते हैं।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है कि माता-पिता उनके साथ पर्याप्त समय बिताएं। अपनी आर्थिक महत्त्वाकांक्षा का भुगतान उनसे न करवाएं। उनको उनके हिस्से का प्यार-दुलार, प्रेम और सुरक्षा प्रदान करें और साथ ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना भी माता-पिता की ही महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ईमानदारी, अनुशासन, सहनशीलता, दूसरों का सम्मान, जिम्मेदारी जैसे अच्छे गुण बच्चों को बचपन से ही सीखने में सहयोग करना चाहिए। जब बच्चे अपने माता-पिता और अपने परिजनों को सच्चाई, मेहनत और विनम्रता, सादगी के साथ जीवन जीता हुआ देखते हैं, तो वे भी वही आदतें अपना कर खुद ही ये सब चीजें सीखते रहते हैं। एक अच्छे संरक्षक और माता-पिता को बच्चे अपनी मानसिक परेशानियां बिना झिझक के बता देते हैं। यह उनके भावनात्मक विकास में सहयोगी बनता है। माता-पिता का दायित्व केवल बच्चों की भौतिक जरूरतें पूरी करना नहीं है, बल्कि उन्हें एक अनुशासित, शिक्षित, संस्कारी और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखना भी माता-पिता की ही जिम्मेदारी है। जब माता-पिता अपने कर्तव्यों को जिम्मेदारी, समझदारी और संवेदनशीलता से निभाते हैं, तो बच्चे एक जिम्मेदार, शिष्टाचार से लैस और सभ्य नागरिक बनते हैं। हमें इतना जरूर ध्यान रखना चाहिए कि अपनी सुविधा का खयाल रखते-रखते कहीं बच्चों के साथ अन्याय न कर दें। बचपन की मौलिक जरूरतें हर बच्चे की पूरी होनी चाहिए.

आगामी मई -जून माह में संभावित स्थानीय निकायो के आम/उप चुनाव के दृष्टिगत मतदाता सूची पुनरीक्षण की तैयारियां तेज

त्रुटिरहित एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें प्रेक्षक : राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई जून-2026 की तैयारियों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में आज निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने की।राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा सभी दावा-आपत्तियों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की सघन निगरानी और प्रभावी सुपरविजन पर विशेष बल दिया। बैठक में आयोग ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए 01 अप्रैल 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले तथा भारत निर्वाचन आयोग की विधानसभा मतदाता सूची में शामिल नागरिक ही स्थानीय चुनाव में मतदाता बनने के पात्र होंगे।निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। इसके पश्चात 20 अप्रैल 2026 तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 27 अप्रैल 2026 तक उनका निराकरण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 05 मई 2026 को किया जाएगा।आयोग द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। बैठक में रिक्त पदों की जानकारी भी साझा की गई। नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 4पद एवं 60 पार्षद के पदों पर आम निर्वाचन तथा अध्यक्ष के 4 पद एवं 17 पार्षद पदों पर उप निर्वाचन प्रस्तावित है। वहीं, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 10 पद, सरपंच के 82 पद एवं पंचों के 1110 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। इस अवसर पर आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करें तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार, एक किशोर हिरासत में

भैरमगढ़/मूक पत्रिका

जिले के थाना भैरमगढ़ क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जहाँ एक नाबालिग बालिका को उसके परिचितों ने ही हवस का शिकार बनाया। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी सहित कुल 5 लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है।

एएसपी चंद्रकांत गवर्णा ने दी जानकारी

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्णा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दिनांक 11 अप्रैल की रात को भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बालिका को उसके पूर्व परिचित व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म किया गया। जांच के दौरान इस घृणित कृत्य में पीड़िता के 4 अन्य परिचितों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने बिना देर किए आरोपियों की धरपकड़ शुरू की।

इन आरोपियों पर कसा शिकंजा

एएसपी गवर्णा के अनुसार, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त 5 व्यक्तियों को चिन्हित किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अंकित परबुलिया, लक्ष्मीनाथ लेकाम, सुनील परबुलिया और जातवेद मोड़ियाम शामिल हैं। इसके अलावा, घटना में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) को भी पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में लिया है।

कड़ी धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (क्व्हस्) और पॉक्सो (क्ष्टस्ह) एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। एएसपी ने बताया कि सभी 4 बालिग आरोपियों को विधिक प्रक्रिया पूरी कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है, जबकि विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा।

हर्ष बघेल बने नवागढ़ ब्लॉक युवा कांग्रेस के अध्यक्ष

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नवागढ़ (बेमेतरा) - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के युवा संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती देने के अभियान में हर्ष बघेल को नवागढ़ ब्लॉक का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर हर्ष बघेल ने अपने आभार संदेश में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया है।

आभार संदेश में हर्ष बघेल ने कहाः ÷भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस की मजबूती और विस्तार के इस पावन अभियान में मुझे नवागढ़ ब्लॉक का ब्लॉक अध्यक्ष बनाकर जो विश्वास और जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसके लिए मैं मनीष शर्मा (राष्ट्रीय युवा कांग्रेस प्रभारी), उदय भानु चिब (राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष), अमित पाठानिया (प्रदेश युवा कांग्रेस प्रभारी), मोनिका मांडले (प्रदेश युवा कांग्रेस सह-प्रभारी) एवं आकाश शर्मा जी (प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष) का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।÷उन्होंने आगे कहा कि इस अनुमोदन और विश्वास ने न केवल उन्हें प्रोत्साहित किया है, बल्कि नवागढ़ ब्लॉक के हर कार्यकर्ता और युवा साथी में नई ऊर्जा और समर्पण का संचार भी किया है।हर्ष बघेल ने विशेष रूप से कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा, जिला युवा कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के जिलाध्यक्ष प्रांजल तिवारी , जिला प्रभारी खुशबू वैष्णव तथा सह-प्रभारी अभिजीत तिवारी का भी आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन और समर्थन से यह नियुक्ति संभव हुई।नवागढ़ ब्लॉक के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवा साथियों, वरिष्ठ नेताओं और आम जनता से उन्होंने विनम्र आग्रह किया है कि हम सब मिलकर इस जिम्मेदारी को निभाते हुए जनसेवा और पार्टी के सुदृढ़ीकरण में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

एनएसयूआई के बाद युवा कांग्रेस में जिला सचिव बने परमेश्वर, कार्यकर्ताओं में उत्साह

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए परमेश्वर को युवा कांग्रेस का जिला सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद युवा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।परमेश्वर इससे पहले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफइंडिया (एनएसयूआई) में शहर अध्यक्ष, नवागढ़ जिला महासचिव तथा जिला उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। छात्र राजनीति में उनके अनुभव और संगठनात्मक कार्यशैली को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी है।समर्थकों का कहना है कि परमेश्वर के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा युवाओं की आवाज को बेहतर ढंग से उठाया जाएगा। उनकी नियुक्ति को जिले की राजनीति में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

नियुक्ति के बाद परमेश्वर ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने के लिए पूरी मेहनत और ईमानदारी से कार्य करेंगे। स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की है।

प्रीडीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 13 अप्रैल

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

युवाओं के उच्च शिक्षा के विभिन्न कोर्स के प्रवेश परीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाईट व्यापम सीजी डॉट सीजी स्टेट डॉट जीओवी डॉट इन में https://vyapamcg.cgstate.gov.in/ में ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित है। प्रीडीएलएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 13 अप्रैल, प्रीबीएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 24 अप्रैल, प्रीपॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 17 अप्रैल और बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27 अप्रैल निश्चित है। सभी प्रवेश परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्र छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में बनाया गया है।

13 अप्रैल को होगा राजस्व शिविर का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में 13 अप्रैल को राजस्व शिविर सारंगढ़ तहसील के ग्राम खैरा छोटे, पहंदा, कटेली, खरी बडे, बरमकेला तहसील के ग्राम कटंगपाली ब, हिर्री, खम्हरिया, तरेकेला, कोकबहाल, बिर्नीपाली, आमाकेनी बड़े, सरिया तहसील के ग्राम नौघटा, पिहरा, लिप्ती, लुकापारा बिलाईगढ़ तहसील के बिलाईगढ़, भटगांव तहसील के ग्राम डोकरीडीह, पिरदा, टेड़ीभदरा, गिरसा, सरसीवा तहसील के ग्राम बालौदी, पण्डरीपाली, पीपरडुला, मुछमल्दा, धौराभाठा, सिहरजोर (घरजरा), किसड़ा और कोसीर उप तहसील के कुम्हारी में किया जायेगा, जहां राजस्व कार्य जैसे सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका आदि का निराकरण होगा।

13 अप्रैल को होगा राजस्व शिविर का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में 13 अप्रैल को राजस्व शिविर सारंगढ़ तहसील के ग्राम खैरा छोटे, पहंदा, कटेली, खरी बडे, बरमकेला तहसील के ग्राम कटंगपाली ब, हिर्री, खम्हरिया, तरेकेला, कोकबहाल, बिर्नीपाली, आमाकेनी बड़े, सरिया तहसील के ग्राम नौघटा, पिहरा, लिप्ती, लुकापारा बिलाईगढ़ तहसील के बिलाईगढ़, भटगांव तहसील के ग्राम डोकरीडीह, पिरदा, टेड़ीभदरा, गिरसा, सरसीवा तहसील के ग्राम बालौदी, पण्डरीपाली, पीपरडुला, मुछमल्दा, धौराभाठा, सिहरजोर (घरजरा), किसड़ा और कोसीर उप तहसील के कुम्हारी में किया जायेगा, जहां राजस्व कार्य जैसे सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका आदि का निराकरण होगा।

जंगली सूअर के मांस को लेकर हत्या , दो आरोपियों को आजीवन कारावास

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

जिला अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा के विद्वान न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने हत्या के एक गंभीर मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर ?1000 का अर्थदण्ड भी लगाया गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण देते हुए अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने बताया कि यह घटना चौकी रैरूमा खुर्द, थाना धर्मजयगढ़ अंतर्गत ग्राम सकरलिया की है। यहां आरोपी रत्थू राम राठिया एवं सीताराम राठिया ने मृतक श्याम लाल राठिया के साथ जंगली सूअर के मांस को अकेले खा जाने की बात को लेकर विवाद किया। विवाद के दौरान आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। हमले में मृतक के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। घायल श्याम लाल को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया, किन्तु गंभीर चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई। घटना के पश्चात मृतक के पिता घना राम राठिया की रिपोर्ट पर थाना धर्मजयगढ़ में अपराध क्रमांक 55/2019 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना की गई। जांच उपरांत आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302 एवं 34 के अंतर्गत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के पश्चात न्यायालय ने दोनों आरोपियों को हत्या का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित करने का आदेश पारित किया।उल्लेखनीय है कि जंगली सूअर के मांस जैसी मामूली बात ने एक व्यक्ति की जान ले ली। घटना के समय आरोपी शराब के नशे में थे, जिसने विवाद को हिंसक रूप दे दिया। यह घटना समाज के लिए चिंतन का विषय है, क्योंकि क्षेत्र में अधिकांश आपराधिक घटनाएं शराब के नशे के कारण ही घटित होती हैं, फिर भी इसके प्रति जागरूकता का अभाव आज भी बना हुआ है।

भारतीय संगीत जगत की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारतीय संगीत जगत की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका आशा भोसले का रविवार को निधन हो गया। उन्होंने 92 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। पिछले कुछ समय से अस्वस्थ होने के कारण उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 12 अप्रैल को उनका निधन हो गया। उनके जाने से देशभर में शोक की लहर है और इसे संगीत के एक स्वर्णिम युग का अंत माना जा रहा है।

पिता के निधन के बाद 9 साल की उम्र में संभाली जिम्मेदारी आशा भोसले का जन्म 1933 में महाराष्ट्र के सांगली में मशहूर गायक दीनानाथ मंगेशकर के घर हुआ था। जब वे मात्र 9 वर्ष की थीं, तब उनके पिता का देहांत हो गया। इसके बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गई। यहीं से उनके जीवन के संघर्ष की शुरुआत हुई और उन्होंने छोटी उम्र में ही गायन को अपना करियर बनाया।

संगीत के क्षेत्र में अद्वितीय मुकाम अपने निजी दुखों को पीछे छोड़ते हुए आशा भोसले ने संगीत की दुनिया में नए कीर्तिमान स्थापित किए। उन्होंने कई भाषाओं में हजारों गीतों को अपनी जादुई आवाज दी। पहली शादी टूटने के लगभग दो दशक बाद उन्होंने संगीतकार आर.डी. बर्मन से विवाह किया। इस जोड़ी ने फिल्म जगत को कई यादगार और सदाबहार नगमे दिए। आर.डी. बर्मन के निधन के बाद भी उन्होंने संगीत के प्रति अपना समर्पण जारी रखा।

अंतिम समय तक रहीं सक्रिय आशा भोसले अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी काफी ऊर्जावान थीं और रियलिटी शो में जज के रूप में नजर आती थीं। अपनी आवाज से कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करने वाली इस महान कलाकार का सफर अब थम गया है। उनके निधन पर फिल्म जगत और राजनीति से जुड़ी हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे भारतीय संगीत के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है।

Ai+ स्मार्टफोन ने लॉन्च की Nova सीरीज़, टैबलेट और वेयरेबल्स के साथ कनेक्टेड इकोसिस्टम में बड़ा विस्तार

नई दिल्ली/मूक पत्रिका

- Ai+ स्मार्टफोन ने अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी 'हृश्1ड्ड सीरीज़' लॉन्च करते हुए टेक्नोलॉजी बाजार में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने इस लॉन्च के साथ केवल नए 5त्र स्मार्टफोन ही नहीं, बल्कि अपना पहला टैबलेट, ऑडियो डिवाइसेज़ और वेयरेबल्स की नई रेंज भी पेश की है। इस विस्तार के साथ,द्ब+ अब एक पूर्ण 'कनेक्टेड इकोसिस्टम' ब्रांड के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।कंपनी ने हृश्1ड्ड सीरीज़ के तहत तीन नए 5त्र स्मार्टफोन – Nova w, Nova w Ultra और Nova Flip लॉन्च किए हैं। इन डिवाइसेज़ को अलग-अलग यूज़र्स की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, ताकि प्रीमियम तकनीक अधिक से अधिक लोगों की पहुंच में लाई जा सके।,द्ब+ स्मार्टफोन के सीईओ एवं N&tQuantum Shift Technologies के संस्थापक माधव शेठ ने कहा कि कंपनी की शुरुआत इसी सोच के साथ हुई थी कि बेहतरीन तकनीक के साथ कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने बताया कि एक वर्ष से भी कम समय में 10 लाख से अधिक यूज़र्स का जुड़ना कंपनी की सफलता और भरोसे का प्रमाण है। Nova सीरीज़ की खासियतें हृश्1ड्ड 2 को रोज़मर्रा की भरोसेमंद परफॉर्मेंस के लिए तैयार किया गया है। इसमें 50 स्श्च कैमरा, 6000द्वद्ध बैटरी और ड्यूल-मोड 5त्र सपोर्ट दिया गया है। इसकी शुरुआती कीमत ?8,999 रखी गई है और बिक्री 14 अप्रैल से शुरू होगी।Nova w Ultra इस लाइनअप का प्रीमियम मॉडल है, जिसमें Sony IMX|zw z®MP कैमरा ह्रढ्ढस् के साथ, MediaTek Dimensit4 7400 प्रोसेसर, ङ्क्ष्ट कूलिंग और डायनेमिक लाइटिंग फीचर जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। इसकी शुरुआती कीमत ?14,999 है और बिक्री 17 अप्रैल से शुरू होगी। वहीं Nova Flip अपने फ्लिप डिजाइन, 6.9 इंच AMOLED डिस्प्ले और 32स्श्च फ्रंट कैमरा के साथ यूज़र्स को एक अलग और स्टाइलिश अनुभव देने के लिए पेश किया गया है।

गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत धमधा भाजपा मंडल में व्यापक जनसंपर्क

बेमेतरा/मूक पत्रिका

धमधा - भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे देशव्यापी 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान के अंतर्गत धमधा भाजपा मंडल द्वारा व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने गांव-गांव और बस्ती-बस्ती पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई।अभियान के तहत ग्राम हीरेतरा, राजपुर और बिरझापुर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान साजा विधायक ईश्वर साहू एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से मुलाकात कर प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि और हर घर नल से जल योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया और उनके अनुभवों को जाना। कार्यक्रम के दौरान गांव के वरिष्ठ एवं पुराने भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। विधायक ईश्वर साहू, मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट तथा नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल ने उन्हें श्रीफल और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही ग्राम हीरेतरा, राजपुर और बिरझापुर के विभिन्न क्षेत्रों एवं मंदिर परिसरों में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस पहल के माध्यम से स्वच्छता का संदेश घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।विधायक ईश्वर साहू ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं उचित निराकरण के लिए हर स्तर पर प्रयास करने का आश्वासन दिया।मंडल अध्यक्ष लोकेंद्र ब्रह्मभट्ट ने कहा कि, ÷इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनके साथ सीधा संवाद स्थापित करना है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अंत्योदय की भावना के साथ जनता की सेवा के लिए समर्पित है।÷इस अवसर पर मंडल महामंत्री बनउं वर्मा, छगन साहू, मंडल उपाध्यक्ष कोमल मरकाम, मनीषा ताम्रकार, मनोज साहू, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्वेता शर्मा, किसान मोर्चा अध्यक्ष बलदाऊ पाल, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष हर्ष साहू, एसटी मोर्चा अध्यक्ष नरोत्तम मंडावी, युवा मोर्चा अध्यक्ष जितेंद्र साहू, एससी मोर्चा अध्यक्ष छत्रपाल चंदेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश चंद्र साहू, युवा मोर्चा जिला महामंत्री आरुणि दानी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष धर्मपाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुसौर में 'पढ़ाई तिहार' बना शिक्षा का उत्सव, स्कूल और समुदाय का शानदार संगम..

रायगढ़/मूक पत्रिका

पुसौर विकास खंड के प्राथमिक स्कूलों में 11 अप्रैल को 'पढ़ाई तिहार' का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन ने शिक्षा को एक उत्सव का रूप देते हुए स्कूल और समाज के बीच मजबूत जुड़ाव स्थापित किया। बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में विकास खंड शिक्षा अधिकारी शैलेश देवांगन, सहायक विकास खंड अधिकारी मनीष सिन्हा और विकास खंड स्रोत समन्वयक शैलेन्द्र मिश्रा की मौजूदगी रही। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। संकुल प्रभारी और समन्वयकों द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को लेकर दिए गए सुझावों को अभिभावकों ने सकारात्मक रूप से लिया।

इस आयोजन को सफल बनाने में विकास खंड के 31 संकुल और 179 प्राथमिक स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अहम भूमिका निभाई। खेल-खेल में पढ़ाई सिखाने के लिए नवाचारी तरीकों का प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में अभिभावक, खासकर माताएं, बच्चों के साथ गतिविधियों में शामिल हुईं और उनके सीखने के स्तर को समझते हुए शिक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाई।

नन्हें बच्चों ने अपनी कलाकृतियों और प्रस्तुतियों से यह साबित किया कि पढ़ाई केवल किताबों तक सीमित नहीं है। कार्यक्रम में जुड़े शिक्षकों के निरंतर प्रयास से यह आयोजन हर साल और प्रभावी होता जा रहा है। अधिकारियों ने भी कहा कि पढ़ाई तिहार का उद्देश्य बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ाना और अभिभावकों को शिक्षा से जोड़ना है, जो इस आयोजन में साफ नजर आया।3

स्वर्गीय सुरेंद्र छाबड़ा की स्मृति में आयोजित चिकित्सा शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय के महेश्वरी भवन में आयोजित स्वर्गीय सुरेंद्र छाबड़ा की स्मृति में वी वाय हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित चिकित्सा शिविर में लगभग 625 लोगों ने अपना स्वास्थ्य जांच कराया और चिकित्सकों से परामर्श लिया, इस स्वस्थ शरीर में वी वाय हॉस्पिटल के सभी सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर ने अपना निशुल्क सहयोग प्रदान किया जिससे बेमेतरा नगर वासियों को बेमेतरा नगर में ही सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सेवाएं प्राप्त हो सकी इसके साथ ही 27 लोगों ने ब्लड डोनेशन कैंप में रक्तदान किया ज्ञात हो कि लायंस क्लब के अध्यक्ष स्वर्गीय सुरेंद्र छाबड़ा जो जनहित के कार्यों में सदैव आगे रहा करते थे उनके इस परंपरा को निभाने के लिए छाबड़ा परिवार के द्वारा वी वाय हॉस्पिटल रायपुर के सहयोग से बेमेतरा जिला मुख्यालय के महेश्वरी भवन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया साथ ही साथ रक्तदान भी किया छाबड़ा परिवार ने सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी नागरिक एवं मित्र गणों का आभार व्यक्त किया है

जिला चिकित्सालय बेमेतरा का डायलिसिस यूनिट बनी किडनी रोगियों की जीवनरेखा

अब तक 300 मरीजों को मिला लाभ, 7,000 से अधिक डायलिसिस सेशन पूरे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा:12 अप्रैल 2026/* स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा जिला चिकित्सालय बेमेतरा के एम सी एच बिल्डिंग में संचालित डायलिसिस यूनिट किडनी रोगियों के लिए संजीवनी बनकर उभरी है। स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए यह यूनिट अब तक किडनी के 300 मरीजों को जीवनदायी उपचार प्रदान कर चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय में डायलिसिस सुविधा 8 दिसम्बर 2022 से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम जीवनधारा के अंतर्गत ई टेंडरिंग के माध्यम से चयनित एजेंसी श्वस्न्नत संजीवनी प्राइवेट लिमिटेड कोलकाता के माध्यम से डायलिसिस के प्रथम मरीज का निःशुल्क उपचार से प्रारंभ किया गया था। वर्तमान में जिला चिकित्सालय बेमेतरा के डायलिसिस यूनिट में कुल 5 आधुनिक डायलिसिस मशीनें स्थापित हैं। प्रारंभ से लेकर अब तक लगभग 7,000 से अधिक डायलिसिस सेशन सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं, जबकि प्रतिमाह औसतन 300 से अधिक सेशन संपन्न हो रहे हैं। वर्तमान में 27 एक्टिव मरीज नियमित रूप से उपचार प्राप्त कर रहे हैं। जिनका नियमित निरीक्षण डॉ अस्मिता श्रीवास्तव एम डी मेडिसिन के साथ स्वयं सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू द्वारा किया जा रहा है, डायलिसिस टीम के अनुसार, सभी प्रक्रियाएँ निर्धारित मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार की जा रही हैं। नियमित मशीन चेक-अप और समय-समय पर किए जाने वाले मेंटेनेंस से यूनिट की कार्यक्षमता और बेहतर हुई है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में संचालित डायलिसिस सुविधा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार एवं सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन के साथ सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू के नेतृत्व पर जिला वासियों को इस यूनिट में संपूर्ण लाभ निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण प्राप्त हो रहा है।साथ ही डायलिसिस सुविधा शुरू होने के बाद बेमेतरा जिला के मरीजों को अब बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर ही समय पर उपचार मिलने से आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक सहायता सुनिश्चित हो रही है इसके साथ ही बाहर इलाज कराने का आर्थिक बोझ भी मरीजों और उनके परिजनों पर काफी हद तक कम हुआ है। जिला चिकित्सालय में उपलब्ध यह आधुनिक डायलिसिस यूनिट स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। बेमेतरा के ग्राम ढ़ारा निवासी 51 वर्षीय श्रीमति कांति साहू ने जानकारी दी कि वह विगत 3 साल 6 माह हो गया डायलिसिस करवा रही है,पहले जिला मुंगेली में फिर दुर्ग में डायलिसिस करवाने जाती थी जिनसे उनको समय और पैसे के साथ मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ता था पर अभी वह विगत डेढ़ साल से जिला चिकित्सालय बेमेतरा में सप्ताह में 3 दिन डायलिसिस करवाने आती है यहां ईलाज डायलिसिस सुविधा पूरी तरह निःशुल्क मिल जाती है जिनसे उनको बहुत अच्छा लगता है साथ में यहां ईलाज के साथ डॉक्टर व स्टॉफबहुत अच्छे व्यवहार करते हैं।

सरपंच पर फर्जी दस्तावेज़ से चुनाव जीतने का आरोप, जाति प्रमाण पत्र से लेकर शपथ पत्र तक संदिग्ध

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रायगढ़= घरघोड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत रायकेरा इन दिनों एक बड़े विवाद के चलते सुर्खियों में है। यहां की वर्तमान सरपंच सुलोचना मोमराज राठिया के खिलाफ चुनावी नामांकन के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं, जिससे पंचायत स्तर से लेकर जिला प्रशासन तक हलचल तेज हो गई है। जानकारी के मुताबिक, नामांकन के समय जमा किए गए दस्तावेजों की जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जो नियमों और प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े करते हैं। बताया जा रहा है कि कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों को छिपाया गया, जबकि कुछ दस्तावेजों में स्पष्ट विसंगतियां दिखाई दे रही हैं।सबसे ज्यादा चर्चा जाति प्रमाण पत्र को लेकर हो रही है। आरोप है कि सरपंच द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रमाण पत्र अपनी वैधता अवधि समाप्त होने के बाद भी उपयोग में लाया गया। यदि यह तथ्य सही पाया जाता है, तो यह सीधे तौर पर निर्वाचन नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। इसके अलावा, शपथ पत्र में दी गई जानकारी ने पूरे मामले को और भी संदिग्ध बना दिया है। दस्तावेज में दर्ज आयु और शैक्षणिक योग्यता के बीच ऐसा अंतर सामने आया है, जो सामान्य परिस्थितियों में संभव नहीं माना जा रहा। आयु के अनुसार जहां जन्म वर्ष एक समयावधि दर्शाता है, वहीं शिक्षा से संबंधित वर्ष उससे पहले का बताया गया है, जिससे पूरे दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं।इस विरोधाभास ने पूरे मामले को गंभीर जांच के दायरे में ला खड़ा किया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस तरह की असंगतियां गहन जांच का विषय होती हैं, क्योंकि इससे निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता प्रभावित होती है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में सक्रियता बढ़ गई है और पूरे प्रकरण की जांच के लिए औपचारिक प्रक्रिया शुरू किए जाने की संभावना जताई जा रही है। यदि जांच में आरोपों की पुष्टि होती है, तो सरपंच के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल, सभी की नजरें प्रशासन की आगामी कार्रवाई और जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े खुलासे होने की संभावना बनी हुई है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बरमकेला क्षेत्र में की गई जांच

सारंगढ बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बरमकेला क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए शीतल पेयों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। शीतल पेय तथा कार्बोनेटेड कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक के 10 से अधिक नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें हरियाणा व कोलकाता के प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।विभाग के अधिकारियों के अनुसार गर्मी के मौसम में शीतल पर पदार्थो की खपत बढ़ जाती है ऐसे में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है। जांच के दौरान बरमकेला के विभिन्न दुकानों से माजा, थम्स अप, स्प्राइट, सोडा, जलजीरा, कोका कोला व एनर्जी ड्रिंक जैसे रेडबुल एनर्जी ड्रिंक, स्टिंग, हेल इत्यादि के 10 नमूने लिए गए हैं व बर्फफैक्ट्रियों का जाँच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न दुकानों तथा गन्ना जूस सेंटर तथा फ्रूट जूस व ठेले गुमठी इत्यादि को सख्त निर्देश देते हुए नोटिस प्रदाय की गई है। यदि जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। विभाग का कहना है कि गर्मी के मौसम में मिलावटी और अमानक खाद्य पदार्थ की बिक्री की आशंका बढ़ जाती है।इसलिए लगातार निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित दुकानों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। जांच के दौरान विभागीय टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेमीचंद पटेल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारीवरुण पटेल शामिल रहें।

शादी का झांसा देकर नाबालिग का शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले की कोतवाली पुलिस ने नाबालिग बालिका के साथ दैहिक शोषण करने वाले आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज होने के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया है।

शादी का प्रलोभन देकर किया दुष्कर्म-?पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम धुरकोट निवासी आरोपी गोपाल फरिश्ता (18 वर्ष) ने एक 16 वर्षीय नाबालिग बालिका से जान-पहचान बढ़ाकर उसे दोस्ती के जाल में फंसाया। आरोपी उसे घुमाने के बहाने जांजगीर स्थित अपने किराए के मकान में ले गया। वहां उसने शादी करने का वादा किया और पीड़िता की असहमति के बावजूद उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए।?आरोपी यहीं नहीं रुका, उसने पीड़िता को किसी को भी जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी देकर डराया-धमकाया। इस बीच पीड़िता दो माह की गर्भवती हो गई, जिससे परेशान होकर उसने पूरी घटना की जानकारी अपने माता-पिता को दी।?मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पॉल ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप और ष्टस्क्क सुश्री योगिता बाली खापर्डे के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस की एक टीम गठित की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को उसके घर से पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।?आरोपी के विरुद्ध ?भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्): धारा 64(1), 64(2)(द्व)?पॉक्सो एक्ट धारा 4 एवं 6 के तहत ?आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता (थाना प्रभारी सिटी कोतवाली), उप निरीक्षक बेलसज्जर लकड़ा, सउनि अरुण कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक प्रकाश राठौर और महिला आरक्षक रेखा यादव का विशेष योगदान रहा।

छाल तहसील के ग्राम पंचायत कुड़ेकेला बाजार पारा में मांड नदी के किनारे

फ्लाई एश की अवैध डंपिंग, आखिर किसके संरक्षण में ?

रायगढ़ / कुड़ेकेला /मूक पत्रिका

जिला रायगढ़ पूरे देश में औद्योगिक जिला के नाम से जाना जाता है यहां कई स्टील्स प्लांट, पावर प्लांट और भी बहुत से प्रकार के प्लांट स्थापित है। पावर प्लांट को चलाने के लिए कोयले की भी आवश्यकता पड़ती है और जहां कोयला जलेगा वहां फ्लाई एश भी निकलेगा जिसे पर्यावरण विभाग के नियमों का पालन करते हुए यूटिलाइजेशन करना होता है

जैसा कि आप जानते हैं डस्ट चाहे सड़कों के उड़ते धूल हो या कोयला की गाड़ियों से गिरता चुरा का डस्ट उड़ना, या प्लांटो का जला हुआ डस्ट , सभी प्रकार के डस्ट वायु को प्रदूषित करती है और सेहत के लिए हानिकारक होता है पर यदि जहां बिजली की जरूरत होती है चाहे वो उद्योग हो या हमारा घर बिजली की सभी जगह जरूरत होती है । और अगर बिजली सब को चाहिए तो कोयला का जलना और उस कोयले के जलने के बाद फ्लाई एश निकलना कोई नई बात नहीं है ,फ्लाई एश का यूटिलाइजेशन करना बहुत जरूरी है। परंतु रायगढ़ जिला के कुछ ब्लैकमेंलर पत्रकारों को अच्छा धंधा मिल गया है फर्जी शिकायत करवा कर शासन प्रशासन को भ्रमित और गुमराह करने के लिए गलत तथ्यों की जानकारी दें कुछ प्रिंट समाचार पत्रों और कुछ पोर्टल के माध्यम से समाचार प्रकाशित करवाया जा रहा है। जो प्लांट एवं ट्रांसपोर्टर विधि वत परमिशन ले फ्लाईएस यूटिलाइजेशन में प्रशासन का सहयोग कर रहा है ऐसे प्लांटो को कुछ ब्लैकमेंलर पत्रकारो के द्वारा लगातार उगाही की नीयत से परेशान कर रहे हैं। और जहां जिले में अवैध डंपिंग का खेल खेला जा रहा है उनसे साठगांठ कर सही तथ्यों को प्रकाशित न कर बल्कि लगातार कुछ बुद्धिजीवो के द्वारा लोकतंत्र की चौथे स्तंभ पर लगातार प्रश्नवाचक चिन्ह लगाया जा रहा है। जीता जागता सबूत के साथ यह समाचार कुड़ेकेला में प्रत्येक सोमवार को साप्ताहिक बाजार लगता है जहां हजारों लोग खरीदी बिक्री करने आते है यहां बच्चे ,बूढ़े जवान सभी के जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है । आखिर यह अवैध राखड़ धीमा जहर का खेल किसके सह और किसके संरक्षण से खेला गया। उसी मांड नदी के पानी से कई लाखों एकड़ खेती की सिंचाई होती है ,जिसका जहरीले पानी से खेती खराब होने की पूरी संभावना है । आगे की खबरों के लिए हमसे जुड़े रहे।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 69 रन की पारी खेली

श्रेयस ने खेली नाबाद अर्धशतकीय पारी

पंजाब किंग्स ने हैदराबाद को छह विकेट से हराया

मुंबई। पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से विजयी अभियान बरकरार रखा है। पंजाब ने सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराया।

पंजाब की जीत

पंजाब किंग्स ने प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराया। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पंजाब की टीम इस तरह टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है। पंजाब के लिए श्रेयस ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए।

वहीं, प्रियांश आर्या ने 20 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 57 और प्रभसिमरन सिंह ने 25 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शिवांग कुमार ने तीन विकेट झटके, जबकि हर्ष दुबे को एक सफलता मिली। पंजाब के ओपनर्स ने 99 रन की साझेदारी की

रन चेज में पंजाब ने भी मजबूत शुरुआत की। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह की

ओपनिंग जोड़ी ने 99 रनों की साझेदारी की। प्रियांश आर्या ने 57 और प्रभसिमरन सिंह ने 51 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर ने रन चेज को सफल बनाया।

हैदराबाद के ओपनर्स ने 120 रन की साझेदारी की

टॉस हारकर बैटिंग कर रही हैदराबाद ने विस्फोटक शुरुआत की। टीम ने पावरप्ले में बिना नुकसान के 105 रन बना लिए थे। अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड की जोड़ी ने शतकीय साझेदारी की।

पंजाब 6 विकेट से जीता, शशांक ने चौका मारकर जिताया

पंजाब ने आईपीएल सीजन में तीसरा मैच जीत लिया है। टीम ने 220 रन का टारगेट 18.5 ओवर में 4 विकेट पर चेज कर लिया। शशांक सिंह ने 19वां ओवर डाल रहे अभिषेक शर्मा की 5वीं बॉल पर चौका लगाया और टीम को जीत दिला दी।

IPL के पावरप्ले में सबसे बड़े स्कोर

स्कोर	टीम	Vs	साल
125/0	हैदराबाद	दिल्ली	2024
107/0	हैदराबाद	लखनऊ	2024
105/0	हैदराबाद	पंजाब	2026
105/0	कोलकाता	बेंगलुरु	2017
100/2	चेन्नई	पंजाब	2014

ब्रीफ न्यूज

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

स्टेन के शीर्ष पांच आईपीएल गेंदबाजों में चहल को मिला नंबर एक स्थान

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन के अनुसार लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल आईपीएल के अब तक के शीर्ष पांच गेंदबाजों में नंबर एक गेंदबाज हैं। स्टेन के अनुसार चहल आईपीएल में आरसीबी के लिए सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी निरंतरता और मैच जिताने की क्षमता जबरदस्त है। उन्होंने आरसीबी के लिए 113 मैचों में 22.03 के शानदार औसत से 139 विकेट लिए। इस प्रकार देखें तो वह हर 17 गेंदों पर विकेट लेते हैं, उनका इकॉनमी रेट लगभग 7.6 है, और उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं, वह मेरे अनुसार नंबर 1 गेंदबाज हैं। स्टेन ने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को दूसरे नंबर पर रखा है। उन्होंने हेजलवुड के बेहतरीन स्ट्राइक रेट की खास तौर पर प्रशंसा की। हेजलवुड ने सिर्फ 27 मैचों में 45 विकेट लिए हैं। स्टेन ने कहा, हेजलवुड एक जबरदस्त गेंदबाज़ हैं। वह हर दो ओवर में वह एक विकेट ले रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को उन्होंने तीसरे नंबर पर रखा गया है।

चेन्नई ने 23 रन से हासिल की सत्र की पहली जीत

दिल्ली 189 रन पर सिमटी; संजू-ओवरटन चमके

चेन्नई ने पहला मुकाबला जीता

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने दिल्ली कैपिटल्स को 23 रनों से हराकर आईपीएल के मौजूदा सत्र की पहली जीत दर्ज की। इससे पहले टीम को आरसीबी, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। वहीं, दिल्ली लगातार दूसरा मैच हार गई। शनिवार को चेपॉक में खेले गए इस मुकाबले में सीएसके ने संजू सैमसन की नाबाद शतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में दो विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम निर्धारित ओवरों में सिर्फ 189 रन ही बना सकी। इस दौरान सिर्फ ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 60 रनों की पारी खेली।

ओवर्टन को चौथा विकेट, स्टब्स आउट

19वें ओवर की तीसरी बॉल पर दिल्ली ने 8वां विकेट गंवाया। यहां पर ट्रिस्टन स्टब्स 60 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जैमी ओवर्टन ने नूर अहमद के हाथों कैच कराया। उन्होंने आकिब नबी (4 रन), डेविड मिलर (17 रन) और समीर रिजवी (6 रन) के विकेट लिए।

द हंड्रेड नहीं टेस्ट और काउंटी क्रिकेट को पसंद करते हैं एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जेम्स एंडरसन का कहना है कि वह टेस्ट और काउंटी क्रिकेट को ही अधिक पसंद करते है। वहीं द हंड्रेड लीग में उनकी कोई रुचि नहीं है। एंडरसन के अनुसार टेस्ट और काउंटी क्रिकेट खेलना ही अब उनका लक्ष्य है। एंडरसन के इस बयान से एक बार फिर द हंड्रेड प्रारुप पर सवाल उठे हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि पिछली बार उन्होंने इस लीग में खेला था तब उन्हें ये पसंद नहीं आयी थी। एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में सात सौ से ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। ऐसे में उनके बयान से इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीसी) को निराशा जाना तय है क्योंकि ईसीसी पिछले कुछ समय से इस सबसे छोटे प्रारुप को लोकप्रिय बनाने में लगी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एंडरसन ने पिछले साल मैनचेस्टर ओरिजिनल्स टीम की ओर से द हंड्रेड में तीन मुकाबले खेले थे। इससे पहले वह टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुके थे पर इस सबसे छोटे प्रारुप में वह अधिक सफल नहीं रहे। इस तेजे गेंदबाज के अनुसार उन्होंने इस लीग में खेलने के दौरान कभी भी अच्छा नहीं लगा और वे इसमें खेलने की जगह पर या तो आराम करेंगे ये अपनी फिटनेस पर ध्यान देंगे। एंडरसन अब टेस्ट प्रारुप पर ही अधिक ध्यान देना चाहते हैं। वह काउंटी टीम लंकाशायर के नियमित कप्तान भी रहे हैं और उनका पूरा ध्यान चार दिन के मुकाबलों में टीम को मजबूत बनाने पर है।पिछले सत्र में उन्होंने अंतरिम कप्तान के तौर पर टीम को पांच मैचों में से दो में जीत दिलायी थीं। इसके बाद उन्हें स्थायी कप्तान बनाया गया।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें एमआइ19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुक़ाबलों में आरसीबी की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि रु्ध्द को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुक़ाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। आरसीबी और एमआई के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने एमआई के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, आरसीब के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉर्जिया में ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब में मास्टर्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर के दौरान, रोरी मैकलॉय 12वीं टी से एक शॉट लगाते हुए।

मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे करने पर हार्दिक ने रोहित को दी बधाई

बताया टीम की सबसे बड़ी प्रेरणा

मुंबई। इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को फ्रेंचाइजी के साथ 15 साल पूरे करने पर बधाई दी है। हार्दिक ने ड्रेसिंग रूम में दिल को छू लेने वाली एक स्पीच दी। अपनी स्पीच में हार्दिक ने रोहित को मुंबई के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा प्रेरणास्त्रोत बताया। मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे होने पर रोहित ने टीम के साथियों, सहायक स्टाफ और फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट का दिल से शुक्रिया अदा किया और फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक और वीडियो में बतौर कप्तान अपनी यात्रा को आकार देने का श्रेय टीम के माहौल को दिया।

रोहित ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को लीग की सबसे कामयाब फ्रेंचाइजी बनाया। इस पर उन्होंने कहा कि ये कामयाबियां किसी एक की काबिलियत के बजाय टीम की मेहनत का नतीजा थीं। फ्रेंचाइजी और उसके हितधारकों के समर्थन ने एक कप्तान और एक व्यक्ति के तौर पर मुझे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। रोहित ने फ्रेंचाइजी के मालिक का भी शुक्रिया अदा किया और अपने करियर के अहम दौर में उनका साथ देने में उनकी भूमिका को स्वीकारा।

हार्दिक ने रोहित को सराहा

हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए एक वीडियो में कहा, रोहित 15 साल पूरे करने पर बधाई। इतने वर्षों तक इस फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए आपका धन्यवाद। मैंने डेब्यू किया, बुमराह ने किया, हममें से कई लोगों ने आपके नेतृत्व में डेब्यू किया है। इतने सारे लोगों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद जो इस फ्रेंचाइजी के लिए खेलते आए हैं और उसी समय भारत के लिए भी खेले। आप एक इंसान के तौर पर भी कमाल और शानदार रहे हैं। आप बहुत फ्रेंडली और खुले विचारों वाले रहे हैं। आपने इतने वर्षों तक जिस तरह से टीम का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है उसके लिए बहुत धन्यवाद।

'यहीं सीखी लीडर बनने की कला'

रोहित ने अपने करियर के अहम पड़ावों को याद करते हुए फ्रेंचाइजी के मालिकों और मैनेजमेंट का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, 'हमने पांच ट्रॉफी जीतीं, लेकिन हम सभी जानते हैं कि यह पूरी टीम के प्रयास के बिना संभव नहीं था। आकाश अंबानी यहां नहीं हैं, भाभी भी नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें भी दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। उनका समर्थन उस समय मेरे लिए बेहद जरूरी था, जिससे मैं एक कप्तान और खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ सका। अगर यह फ्रेंचाइजी नहीं होती, तो मैं लीडर बनने की कला नहीं सीख पाता।'

हिटमैन के 15 साल पूरे, भावुक होकर कहा- यहीं सीखी कप्तानी की असली कला

रोहित शर्मा का आईपीएल करियर

2008 में रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर का आगाज डेक्कन चार्जर्स के साथ किया था। वह इस टीम के साथ 2010 तक रहे। आईपीएल 2011 में वह मुंबई इंडियंस से जुड़े और अब तक इस टीम का हिस्सा बने हुए हैं। मुंबई इंडियंस ने रोहित को 2013 में कप्तान बनाया था। वह 2023 तक इस टीम के कप्तान रहे। 10 साल की कप्तानी में रोहित ने पांच बार (2013, 2015, 2017, 2019, 2020) मुंबई को आईपीएल का चैंपियन बनाया। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अलावा पांच आईपीएल खिताब जीतने वाली मुंबई सिर्फ दूसरी टीम है। रोहित मुंबई इंडियंस के सफलतम बल्लेबाज हैं। 239 मैचों की 235 पारियों में दो शतक और 41 अर्धशतक लगाते हुए वह 6267 रन बना चुके हैं।

इंटरनेशनल अवार्ड 2026 से नवाजे गए मूक पत्रिका के संपादक आशीष कंठले

मूक पत्रिका/ रायपुर/बेमेतरा - छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक मूक पत्रिका के प्रधान संपादक आशीष कुमार कंठले को वर्ष 2026 के इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें 15 वर्षों की निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता के लिए प्रदान किया गया।

नेपाल में आयोजित एक गरिमामय अंतरराष्ट्रीय समारोह में अतिथियों द्वारा उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पत्रकारों, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोह में आशीष कुमार कंठले को सम्मानित करते हुए अतिथि- आशीष कुमार कंठले ने अपने पत्रकारिता जीवन में दलित, शोषित एवं पीड़ित वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाई है। वे वर्तमान में अपनी टीम के साथ चार राज्यों में सक्रिय पत्रकारिता नेटवर्क के माध्यम से समाज के विभिन्न मुद्दों पर निरंतर कार्य कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के 9-10 पत्रकारों को भी मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान- इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के 9 से 10 वरिष्ठ पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित पत्रकारों में प्रमुख रूप से विप्ल दत्ता, शिव शंकर सोनपिपरे, कुलवंत सिंह जबल, रमेश अग्रवाल, सत्य मौर्य, शेष चरण गुप्ता, महादेव परिहारी, संजय जेठानी एवं रात्रे जी शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मानित पत्रकारों का सम्मान समारोह- यह सम्मान समारोह पत्रकारिता जगत के लिए एक प्रेरणादायक क्षण साबित हुआ, जिसमें पत्रकारों के योगदान को वैश्विक मंच पर सराहा गया।

मंच से गूंजा पत्रकारिता का संदेश- कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पत्रकारिता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है और सत्य को सामने लाना उसका सबसे बड़ा कर्तव्य है।

वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम है, जिसमें निष्पक्षता, साहस और सत्यनिष्ठा सर्वोपरि है।

भारत-नेपाल मैत्री को मिला नया आयाम- यह कार्यक्रम भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक एवं मीडिया संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ। दोनों देशों के पत्रकारों एवं प्रतिनिधियों ने आपसी सहयोग, भाईचारे और संवाद को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा की।

भारत-नेपाल मैत्री कार्यक्रम में शामिल पत्रकार एवं अतिथि- संपादक आशीष कुमार कंठले को मिला यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता जगत के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान नई पीढ़ी के पत्रकारों को सच्चाई, साहस और जनसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

नेपाल में गूंजा छत्तीसगढ़ का नामः पत्रकार बिप्लव दत्ता को मिला अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार 2026

मूक पत्रिका/ रायपुर- नेपाल की धरती पर आयोजित एक भव्य अंतरराष्ट्रीय समारोह में इस बार छत्तीसगढ़ की आवाज़ बुलंद हुई। इंडो-नेपाल टूरिज्म डेवलपमेंट सोसायटी द्वारा आयोजित ÷अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार 2026÷ से छत्तीसगढ़ के तेजतर्रार और बेबाक पत्रकार बिप्लव दत्ता को सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता की एक बड़ी जीत भी माना जा रहा है।

यह गरिमामय समारोह 5 अप्रैल 2026, रविवार को नेपाल में आयोजित किया गया, जिसमें भारत और नेपाल के अनेक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, बुद्धिजीवी एवं सांस्कृतिक हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत-नेपाल के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यटन संबंधों को मजबूत करना था। समारोह में सबसे अधिक चर्चा जिस नाम की रही, वह था बिप्लव दत्ता। रायपुर जिले के माना कैम्प से निकलकर अपनी तेज लेखनी और निर्भीक पत्रकारिता के दम पर पहचान बनाने वाले बिप्लव दत्ता को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान तथा समाज के प्रति समर्पित सेवाओं के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उनकी रिपोर्टिंग ने न केवल स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया है, बल्कि कई मामलों में प्रशासन को कार्रवाई के लिए भी प्रेरित किया है। समारोह के दौरान जैसे ही बिप्लव दत्ता का नाम मंच पर पुकारा गया, पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। आयोजकों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में, जब पत्रकारिता कई तरह के दबावों से गुजर रही है, ऐसे में बिप्लव दत्ता जैसे पत्रकार समाज के लिए उम्मीद की किरण हैं, जो बिना डरे सच को सामने लाने का साहस रखते हैं।

यह सम्मान इसलिए भी विशेष माना जा रहा है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किया गया, जहां विभिन्न देशों के प्रतिनिधि मौजूद थे। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर छत्तीसगढ़ के एक पत्रकार का सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

अपने संबोधन में बिप्लव दत्ता ने कहा कि पत्रकारिता केवल खबर लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने और सही दिशा दिखाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने भारत-नेपाल के रिश्तों को मजबूत बनाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

इस उपलब्धि के बाद रायपुर के माना कैम्प सहित पूरे छत्तीसगढ़ में खुशी की लहर है। स्थानीय पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। सोशल मीडिया पर भी उनकी उपलब्धि तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसे ÷छत्तीसगढ़ की जीत÷ बता रहे हैं। निस्संदेह, बिप्लव दत्ता का यह सम्मान उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा है जो सच की राह पर चलने का साहस रखते हैं। यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि सत्य, साहस और जनसेवा के जज़्बे की पहचान है।

जनसेवा और पत्रकारिता का सफरः कुलवंत सिंह जबल को मिले राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान

मूक पत्रिका/ रायपुर- प्रिंट मीडिया से अपने पत्रकारिता जीवन की शुरुआत करने वाले कुलवंत सिंह जबल ने अपने समर्पण, निष्पक्षता और जनसेवा के माध्यम से समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। पिछले 10 वर्षों से प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उन्होंने जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और निष्पक्ष पत्रकारिता की मिसाल पेश की।

उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए देशभर के 20 विभिन्न संस्थानों द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। यह सम्मान उनके कार्यों की विश्वसनीयता, प्रभाव और समाज में उनकी मजबूत पहचान को दर्शाता है। पत्रकारिता के साथ-साथ कुलवंत सिंह जबल ने मानवाधिकार के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कमजोर, पीड़ित और जरूरतमंद लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करते हुए जनहित के कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। उनकी इसी सेवाभावना और समर्पित कार्यों के लिए अब तक उन्हें 1 अंतरराष्ट्रीय अवार्ड, 10 मेडल एवं मोमेंटो (सम्मान चिन्ह) से सम्मानित किया जा चुका है।

इस अवसर पर कुलवंत सिंह जबल ने कहा कि उनका उद्देश्य हमेशा समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की आवाज बनना रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वे और अधिक मजबूती के साथ जनसेवा और मानवाधिकार के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समर्पित और कर्मठ व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं, जो अपने कार्यों से सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कुलवंत सिंह जबल की यह उपलब्धि न केवल उनके संघर्ष, मेहनत और समर्पण की कहानी कहती है, बल्कि युवा पीढ़ी को भी ईमानदार पत्रकारिता और समाजसेवा के लिए प्रेरित करती है।

मानवाधिकार के क्षेत्र में चमका नामः सत्य मौर्य को 10 नेशनल और 1 इंटरनेशनल अवार्ड

मूक पत्रिका/ रायपुर- मानवाधिकार और जनसेवा के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य करते हुए सत्य मौर्य ने अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। समाजहित, न्याय और जरूरतमंदों की सहायता के लिए उनके समर्पित प्रयासों ने उन्हें स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक सम्मान दिलाया है।

सत्य मौर्य को अब तक उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 10 नेशनल अवार्ड, 1 इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

मानवाधिकार के क्षेत्र में किसी व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। यह सम्मान केवल उन्हीं लोगों को मिलता है, जिन्होंने समाज के लिए असाधारण योगदान दिया हो। सत्य मौर्य ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि वे इस सम्मान के वास्तविक हकदार हैं।

बताया जाता है कि उन्होंने लगातार जरूरतमंद लोगों की मदद, पीड़ितों को न्याय दिलाने तथा सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की हैं। उनके प्रयासों से कई लोगों को राहत मिली है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है।

स्थानीय लोगों और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि सत्य मौर्य जैसे समर्पित व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी सेवा भावना और निष्ठा युवाओं को भी जनसेवा एवं मानवाधिकार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। यह उपलब्धि न केवल सत्य मौर्य की मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है, बल्कि समाज के प्रति उनकी सच्ची निष्ठा और सेवा भावना का भी प्रमाण है।

नेपाल की धरती पर छत्तीसगढ़ का बढ़ा मान : शिवशंकर को मिला इंटरनेशनल जर्नलिज्म एक्सिलेंस अवार्ड

हजारों की मौजूदगी में विराटनगर बना गवाह, भारत-नेपाल रिश्तों को मिली नई मजबूती

मूक पत्रिका/रायपुर। इंडो नेपाल टूरिज्म वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में नेपाल के विराटनगर में आयोजित भव्य अंतरराष्ट्रीय समारोह में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (ढ्ढस्नङ्खछ्व) के राष्ट्रीय सचिव शिवशंकर सोनपिपरे को इंटरनेशनल जर्नलिज्म एक्सिलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

देश-विदेश के दिग्गज एक मंच पर, कार्यक्रम बना ऐतिहासिक- इस गरिमामयी आयोजन में नेपाल, भारत (छत्तीसगढ़ व बिहार) सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन की सफलता में इनका रहा विशेष योगदान इंडो नेपाल टूरिज्म वेलफेयर सोसाइटी भारत और नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ दोनों देशों के आपसी संबंध को मजबूत बनाने का प्रयास करती है संस्था के फाउंडर डॉ जतिन्दर पाल सिंह एवं पंकज रंजीत ब्रांड एंबेसडर अमृता सिंह पर्यटन बोर्ड के एवं इस्टर्न स्टार हाटल के संचालक भावेश श्रेष्ठ संस्था के सहयोगी मित्र मुख्य अतिथि उद्योग कृषि सहकारी मंत्री इसराइल मंसूरी जी बिहार अररिया सांसद प्रवीण सिंह नेपाल कोसी पर्यटन मंत्री सचिव इंद्र सपकोटा पूर्व कानून मंत्री लीला बल्लभ अधिकारी जी पर्यटन बोर्ड के भावेश श्रेष्ठ समाजसेवी एवं निस्सहाय बाल बालिका आश्रम संचालिका गीता गौतम फारबिसगंज बिहार विधायक देवयंती जी शामिल रहे कार्यक्रम इंडो नेपाल टूरिस्ट वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किया गया ।

आयोजक संस्था के फाउंडर डॉ जतिंदरपाल सिंह एवं पंकज रंजीत और अमृता सिंह थे। इस अवसर पर संस्था के निर्णय अनुसार उपस्थित अतिथियों के द्वारा अमृता सिंह जी को संस्था का ब्रांड एंबेसडर के लिए घोषणा की गई

पत्रकारिता के जुनून को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान- शिवशंकर सोनपिपरे पिछले 15-20 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे 'सर्वोच्च छत्तीसगढ़' अखबार, डिजिटल मीडिया एवं यूट्यूब चैनल के प्रधान संपादक हैं।

उन्होंने 4 रियल न्यूज़ चैनल, ओके इंडिया और टीवी 24 जैसे संस्थानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लगातार जनसेवा और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए उन्हें यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ।

भारत-नेपाल संबंधों पर दिया दमदार संदेश- मंच से संबोधित करते हुए सोनपिपरे ने छत्तीसगढ़ और नेपाल के बीच सांस्कृतिक समानताओं और संबंधों पर प्रकाश डाला। उनके विचारों को उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गूंज के साथ सराहा, जिससे पूरा माहौल उत्साह और गर्व से भर गया।

टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम - इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य इंडो-नेपाल टूरिज्म को बढ़ावा देना और दोनों देशों के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक रिश्तों को और मजबूत करना रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए पत्रकारों, सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।